केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब
www.bhartiyabasti.com
और उसका छपा संस्करण
सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com
के लिये विज्ञापन बुक कराये।
विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9450567450
9336715406

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :46 अंक 262 सोमवार 21 अप्रैल 2025 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

जानलेवा बना शादी का खानाः महिला की मौत, कई बीमार

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । लालगंज थाना क्षेत्र के महसो गांव में मोहम्मद रशीद के घर पर आजाद अली की शादी में बारातियों के लिए दोपहर में भोज का आयोजन किया गया था। खाना खाने के कुछ देर बाद ही कई लोगों को उल्टी–दस्त और चक्कर आने लगे। इससे समारोह में अफरा–तफरी मच गई।

सैकड़ों लोगों ने खाना खाया था। बीमार पड़े लोगों को तुरंत नजदीकी निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। 75 वर्षीय तकदीरुनिशा, जो अपने भतीजे की शादी में आई थीं, उनकी हालत सबसे ज्यादा बिगड़ी। उन्हें गोरखपुर मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया। वहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।

घटना से गांव और अस्पताल में दहशत का माहौल है। मरीजों के परिजन अन्य लोगों की सेहत को लेकर चिंतित हैं। स्वास्थ्य विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर भोजन के सैंपल लिए हैं। प्रशासन मामले की जांच कर रहा है।

सेवा सुरक्षा की मांग को लेकर लखनऊ कूच करेंगे शिक्षक

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। रविवार को उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ एकजुट के जिला कार्यकारिणी की एक बैठक खीरीघाट टीचर्स कालोनी में जिलाध्यक्ष अजय कुमार वर्मा की अध्यक्षता में संपन्न हुई। संचालन जिला महामंत्री डॉ सत्यप्रकाश मौर्य ने किया।

बैठक में उपस्थित माध्यमिक शिक्षक संघ एकजुट के प्रांतीय कोषाध्यक्ष बिजेंद्र वर्मा व मंत्री छ्वनारायण चौधरी ने संयुक्त रूप से कहा कि प्रांतीय नेतृत्व के आह्वान पर 21 अप्रैल को माध्यमिक शिक्षकों की सेवा सुरक्षा की धारा 21, पदोन्नति की धारा 12 और कार्यवाहक प्रधानाचार्य को वेतन सुरक्षा देने की धारा 18 को उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग 2023 में समाप्त कर दिया गया है इसे पुनर्स्थापित करने के लिए लखनऊ के इको गार्डन में आयोजित एक दिवसीय धरने में जिले से सैकड़ों शिक्षक प्रतिभाग करेंगे।

बैठक में मौजूद अटेवा जिलाध्यक्ष तौआब अली एवं मंडलीय महामंत्री दीपक सिंह प्रेमी ने कहा कि माध्यमिक शिक्षा सेवा चयन बोर्ड नियमवाली में शिक्षकों की सेवा सुरक्षा के लिए धारा 18,12 व 21 की व्यवस्था थी जिसे उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग 2023में खत्म कर दिया गया है। जिससे प्रदेश के तमाम शिक्षकों को द्वेषवश प्रताड़ित किया जा रहा है। इसलिए प्रदेश भर के शिक्षक लखनऊ धरने में शामिल होने जा रहे हैं। देवेंद्र तिवारी,राहुल चौधरी,बृजेश वर्मा,रमेश अनिरुद्ध वर्मा, हरीशचंद्र , अवनीश मिश्रा सहित सभी पदाधिकारी मौजूद रहे।

किशोरी के साथ दुष्कर्म के दो आरोपी गिरफ्तार

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। परशुरामपुर व स्वाट टीम ने संयुक्त में परशुरामपुर थानाक्षेत्र के एक गांव में 17 वर्षीय किशोरी से दुष्कर्म के मामले मे दो आरोपियो को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। पुलिस ने आरोपी अभिषेक सिंह निवासी ढेल्हूपुर और विशाल दुबे निवासी अशोकपुर थाना परशुरामपुर को कुसमौर घाट के पास से गिरफ्तार किया है। दोनों आरोपियों ने 16 अप्रैल को शौच के लिए जा रही किशोरी से दुष्कर्म किए थे। पिता ने बताया था कि शौच से लौटते समय दोनों आरोपी गली में खड़े थे। उसकी बेटी को जबरन बाइक पर बैठाकर उठा ले गए और तालाब के किनारे दुष्कर्म किया।

भाजपा सांसद निशिकांत दुबे की मुश्किलें बढ़ीं अवमानना की कार्यवाही के लिए लिखा पत्र

नई दिल्ली (आभा)। सुप्रीम कोर्ट और सीजेआई संजीव खन्ना पर विवादित टिप्पणी करके फंसे बीजेपी सांसद निशिकांत दुबे की मुश्किलें बढ़ गई हैं। वक्फ अधिनियम मामले में एक वादी का प्रतिनिधित्व करने वाले सुप्रीम कोर्ट के एक वकील ने अटॉर्नी जनरल आर. वेंकटरमण को लेटर लिखकर निशिकांत दुबे के खिलाफ अवमानना की कार्यवाही शुरू करने की सहमति मांगी है। दुबे ने कहा था कि इस देश में गृह युद्ध के लिए सीजेआई संजीव खन्ना जिम्मेदार हैं। अटॉर्नी जनरल को लिखे अपने लेटर में वकील अनस तनवीर ने कहा कि दुबे की टिप्पणी बेहद अपमानजनक और खतरनाक रूप से मड़काऊ है।

लेटर में कहा गया, 'मैं यह लेटर कोर्ट की अवमानना 'अधिनियम, 1971 की धारा 15(1)(बी) के तहत, सर्वोच्च न्यायालय की अवमानना के लिए कार्यवाही को विनियमित करने के नियम, 1975 के नियम 3(सी) के साथ लिखकर झारखंड के गोड्डा संसदीय क्षेत्र से माननीय लोकसभा सदस्य निशिकांत दुबे के खिलाफ आपराधिक अवमानना कार्यवाही शुरू करने के लिए आपकी विनम्र सहमति मांग रहा हूं, क्योंकि उन्होंने सार्वजनिक रूप से ऐसे बयान दिए हैं जो बेहद निंदनीय, भ्रामक हैं और जिनका उद्देश्य भारत के माननीय सर्वोच्च न्यायालय की गरिमा और अधिकार को कम करना है।'

दुबे की यह टिप्पणी केंद्र सरकार द्वारा सुप्रीम कोर्ट को दिए गए आश्वासन के बाद आई है कि वह वक्फ (संशोधन) अधिनियम के कुछ विवादास्पद प्रावधानों को सुनवाई के अगले दिन तक लागू नहीं करेगी, क्योंकि न्यायालय ने उन पर सवाल उठाए हैं। बीजेपी ने शनिवार को दुबे द्वारा सुप्रीम कोर्ट की आलोचना से खुद को अलग कर लिया और पार्टी अध्यक्ष जे पी नड्डा ने इन टिप्पणियों को उनका निजी विचार बताया।

नड्डा ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, 'भाजपा का उसके सांसदों निशिकांत दुबे और दिनेश शर्मा की न्यायपालिका और प्रधान न्यायाधीश पर की गई टिप्पणियों से कोई लेना–देना नहीं है। ये उनकी निजी टिप्पणियां हैं, लेकिन भाजपा न तो उनसे सहमत है और न ही ऐसी टिप्पणियों का कभी समर्थन करती है। भाजपा इन्हें पूरी तरह से खारिज करती है।' नड्डा ने यह भी कहा कि उन्होंने दोनों नेताओं और अन्य लोगों को ऐसी टिप्पणियां न करने का निर्देश दिया है।

कर्नाटक के पूर्व डीजीपी की हत्या

बेंगलुरु (आभा)। कर्नाटक के पूर्व पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) ओम प्रकाश की रविवार को उनके बेंगलुरु स्थित आवास पर हत्या कर दी गई। 1981 बैच के वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी रहे ओम प्रकाश का शव खून से लथपथ हालत में घर के अंदर मिला।

शुरुआती जांच में पुलिस को हत्या की आशंका है और शक की सुई उनकी पत्नी पर घूम रही है। घटना के वक्त पत्नी और बेटी घर में मौजूद थीं। फिलहाल पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और पत्नी को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है।

शिविर में 11 ने किया रक्तदान

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। रविवार को सावन कृपाल रूहानी मिशन द्वारा कृपाल आश्रम मंगलबाजार में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में रोहन, आयुष, जयशंकर चौधरी, धर्मेन्द्र कुमार, राजन यादव, आलोक कुमार, वृजेश, राजकुमार, शुभम श्रीवास्तव, अंकित, धर्मेन्द्र सहित 11 लोगों ने रक्तदान किया।

भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता, नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि अंकुर वर्मा ने कहा कि रक्तदान जीवन बचाने का बड़ा माध्यम है। इसीलिये इसे महादान कहा गया है। इससे रक्तदान करने वालों के शरीर पर कोई दुष्प्रभाव भी नहीं पड़ता।

सावन कृपाल रूहानी मिशन के सचिव चेतन आनन्द ने बताया कि मिशन द्वारा मानवता की सेवा के लिये रक्तदान शिविरों का आयोजन किया जाता है। रक्तदान के द्वारा हम संकट के समय लोगों की जान बचाकर पुण्य के भागी बनते हैं। रक्तदान शिविर को सम्पन्न कराने में बस्ती चेरीटेबल ब्लड बैंक के आलोक चौधरी, शिवम मिश्र, डी.पी. यादव जितेन्द्र कुमार, विजय कुमार शुक्ल आदि ने योगदान दिया।

भानपुर में चलाया गया अतिक्रमण हटाओ अभियानः अवैध होर्डिंग हटाये गये

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। नगर पंचायत भानपुर में शासन के निर्देशानुसार अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया जा रहा है। मण्डलायुक्त, जिलाधिकारी के दिशा निर्देश में अपर जिलाधिकारी प्रतिपाल चौहान के नेतृत्व में नगर पंचायत भानपुर में विद्युत पोलो व पथ प्रकाश के खम्भो तथा मार्ग के अवरोधक एवं अवैध होर्डिंग बैनर हटवाये गये।

अधिशासी अधिकारी ऋचा सिंह ने बताया कि 19 अप्रैल से चलाये जा रहे अभियान में 23 अवैध होर्डिंग, बैनर हटवाये गये। बताया कि नगर पंचायत द्वारा कर्मचारियों की 2 टीम बनाकर भानपुर तथा सोनहा बाजार में अवैध होर्डिंग बैनर हटायें जाने का अभियान चल रहा है। अभियान में 4 सफाई नायक 20 कर्मचारियों द्वारा जेओसीबी0, स्काई लिफ्ट के माध्यम से अबतक 13 बडे 41 छोटे अवैध होर्डिंग बैनर हटाये जा चुके हैं। बताया कि अभियान 21 अप्रैल तक चलेगा। उन्होने कहा कि जिन लोगों ने अवैध अतिक्रमण किया हो वे हटवा ले।

रामलीला मैदान जदीद बाजार में अवैध कब्जों पर चला प्रशासन का बुलडोजर

–सुभाष पाण्डेय–

बांसी (सिद्धार्थनगर)। काफी जद्दोजहद के बाद नगर पालिका परिषद बांसी अन्तर्गत राप्ती नगर मोहल्ला स्थित रामलीला मैदान जदीद बाजार की जमीन पर वर्षों से काबिज लोगों के अवैध कब्जों पर प्रशासन ने बुलडोजर चलवाकर विभिन्न प्रकार के कब्जों के प्रतीकों को रविवार को ध्वस्त करा दिया।

लगभग तीन वर्षों से रामलीला मैदान से अवैध कब्जों को हटाने की चल रही कार्यवाही का 20 अप्रैल को द एन्ड हो गया। किसी के साथ नाइंसाफी न हो इसके लिए कार्यवाही से पूर्व उक्त रामलीला मैदान की तीसरी बार पैमाइश से पूरी तरह मुतमइन प्रशासन ने चिन्हांकन कराने के बाद लगभग तीन दर्जन से अधिक अवैध अतिक्रमणकारियों के अतिक्रमण को हटाने का फैसला लिया। बुलडोजर ऐक्शन से कई दिन पूर्व रामलीला मैदान पहुंचे जिलाधिकारी डॉ राजा गंणपति आर ने अवैध कब्जाधारियों से बातचीत कर स्वयं से अपना–अपना सामान व कब्ज़ा हटाने की बात कही थी। लोग स्वयं से ही अपना– अपना सामान व कब्ज़ा हटाने में लगे थे। जिलाधिकारी के निर्देशानुसार 19 अप्रैल को ही बुलडोजर कार्यवाही होनी थी, आधा दर्जन से अधिक बुलडोजरों व कई डंफरों का इंतजाम था। परन्तु

– बांसी नगर पालिका के राप्ती नगर का मामला

राजनीति सरगर्मियों के मद्देनजर सुरक्षा व्यवस्था और और चाक चौबंद बनाने के लिए कार्यवाही अगले दिन के टाल दी गई। रविवार को रामलीला मैदान के बाहर आने जाने वाले रास्तों पर बेरी केटिंग लगाकर भारी संख्या में पुलिस बलों की तैनाती की गई। कई थानों की पुलिस के अतिरिक्त एक बटालियन पीएसी के जवान भी मौजूद रहे। मौके पर पानी के टैंकर व अग्नि शमन के सिलेंडर का भी इंतजाम था। बुलडोजर कार्यवाही से पूर्व एडीएम गौरव श्रीवास्तव, उपजिलाधिकारी शशांक शेखर राय, एसडीएम डुमरियागंज डा0 संजीव दिक्षित, तहसीलदार पीयूष श्रीवास्तव द्वारा एक– एक घर का निरीक्षण किया गया। ईओ मुकेश कुमार, के अलावा बहुत से नपा कर्मचारी मौजूद रहे। दोपहर लगभग 12 बजे से शुरू हुई बुलडोजर कार्यवाही कार्य समाप्ति लगभग शाम 05 बजे तक चलता रहा। एएसपी सिद्धार्थ, सी ओ बांसी मयंक द्विवेदी शिवनगर डिंडई प्रभारी प्रशांक सिंह, खेसरहा थाना प्रभारी चन्दन कुमार, शोहरत गढ़ इंस्पेक्टर विन्देश्वरी मणि त्रिपाठी आदि सहित कई थानों की पुलिस मौजूद रही।

कांग्रेस ने सौंपा ज्ञापन

नगर पालिका परिषद अन्तर्गत मंगल बाजार के रामलीला मैदान में वर्षों से रह रहे लोगों के अपने रिहायशी मकान और दुकानदारों के दुकानों को प्रशासन द्वारा बुल्डोजर से ध्वस्त करने की कार्रवाई के विरोध में रविवार को कांग्रेस पार्टी के लोगों ने जिला कांग्रेस पार्टी अध्यक्ष काजी सुहेल अहमद के नेतृत्व में राज्यपाल को सम्बोधित एक ज्ञापन उपजिलाधिकारी की अनुपस्थिति में सौंपा तहसीलदार बांसी को सौंप कर उनसे ध्वस्तीकरण की कार्रवाई रोके जाने की मांग किया है।

इस अवसर पर कांग्रेस जिलाध्यक्ष काजी सुहेल अहमद एवं पूर्व विधान सभा प्रत्याशी देवेन्द्र कुमार गुड्डू ने कहा कि रामलीला मैदान बाजार में पचासों वर्षों से तमाम लोग आवास और दुकान बना कर रह रहे हैं सबके पास जमीन के बैनामा का कागज मौजूद है लेकिन प्रशासन तानाशाही पर आमादा है और लोगों को जबरन उजाड़ने का प्रयास कर रहा है जिसे हम कांग्रेस के लोग कत्तई बर्दाश्त नहीं करेंगे।

निवर्तमान जिला उपाध्यक्ष अभिनय राय, कृष्ण बहादुर सिंह एवं महासचिव राजन श्रीवास्तव ने कहा कि प्रशासन रामलीला मैदान की सरहद से पुनः पैमाइश करायें और लोगों के बैनामा के कागजात की सत्यता की जांच करा ले तब तक बस्तीकरण की कार्रवाई रोक दी जाये। अनिल सिंह अन्नू, मनोज श्रीवास्तव, अश्विनी सिंह सोलंकी, विक्की रिज़्वी, संतोष त्रिपाठी, रियाज मनिहार, मोबीन खघन, सुदामा प्रसाद, नन्द किशोर शुक्ला, अमित त्रिपाठी, रामपाल शर्मा आदि सहित तमाम कांग्रेस जन उपस्थित थे।

देह व्यापार का मामलाः सीसीटीवी से खुलेगा ग्राहकों का राज..!

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। मड़वानगर टोल प्लाजा के पास एक मकान में चल रहे सेक्स रैकेट का भंडाफोड़ होने के बाद रोजाना चौंकन्ने वाले नए तथ्य सामने आ रहे हैं। अब सेक्स रैकेट के अड्डे से जुड़ी एक और जानकारी सुर्खियों में है। सूत्रों की मानें तो मड़वानगर टोल प्लाजा के पास चल रहे देह व्यापार के अड्डे पर आने वीआईपी गेस्ट के लिए खास सिग्नल था। इन सफेदपोशों की लग्जरी गाड़ी अड्डे से करीब 150 मीटर दूर ही खड़ी हो जाती थी। यहां से सफर पैदल ही तय करते थे, जिससे उनकी पहचान गोपनीय रहे। मकान का अगर बड़ा वाला गेट खुला रहता था, तो इसका मतलब होता कि रास्ता पूरी तरह साफ है और उनके स्वागत का प्रबंध हो चुका है। अगर छोटा दरवाजा खुला रहता तो यह रूकने का सिग्नल होता था। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज में भी कुछ लग्जरी गाड़ियां कैद हुई हैं। पुलिस अब इन वाहनों की डिटेल पर भी काम कर रही है।

शहर में चल रहे सेक्स रैकेट का खुलासा होने के बाद पुलिस इस नेटवर्क के हर एंगल को खंगाल रही है। कुछ सफेदपोशों के नाम

पुलिस के सामने आ चुके हैं। जिन पर जल्द ही शिकंजा कसा जा सकता है। पुलिस ने इन सभी का सीडीआर खंगाल रही है। जिससे सबके कनेक्शन की असलियत सामने आ सके। इसके आधार पर उन सभी लोगों तक भी पुलिस की पहुंच होगी, जो पर्दे के पीछे रहकर इस कारोबार से जुड़े हुए थे। इस नेटवर्क दो कथित पत्रकारों के साथ ही तीन पुलिस कर्मियों का नाम भी जांच में सामने आ चुके हैं, जिनका हफ्ता बंधा हुआ था। सीओ सिटी सत्येन्द्र भूषण तिवारी ने बताया कि पुलिस सेक्स रैकेट से जुड़े हर एंगल पर कार्य कर रही है। साक्ष्य संकलन के साथ ही इस पूरे धंधे से जुड़े लोगों पर शिकंजा कसा जाएगा।

सेक्स रैकेट का कारोबार कैश के साथ ही ऑनलाइन सुविधा से भी जुड़ा था। पुलिस ने मौके से बैंक स्कैनर भी बरामद किए थे, जिसमें सीधे खाते से कई लोगों ने पैसा भेजा है। इन खातों में पैसा भेजने वालों की भी सूची भी तैयार की जा रही है। अब तक की जांच में यह सामने आया है कि इस नेटवर्क से जुड़े लोगों का तीन बैंकों में कुल पांच खाते चल रहे हैं। जिसमें काली कमाई का पैसा जमा किया जाता था। इन खातों में कितनी रकम है, यह जानकारी अभी सामने नहीं आ सकी है।

मड़वानगर में जिस भवन में सेक्स रैकेट संचालित हो रहा था, उसे भी सीज किया जाएगा। इसके लिए सीओ सिटी सत्येन्द्र भूषण तिवारी के निर्देश पर कोतवाली पुलिस ने रिपोर्ट तैयार कर एसडीएम सदर को भेज दी है। साथ ही पूरी कार्रवाई के लिए प्रशासन से एक मजिस्ट्रेट को नामित करने की मांग की गई है। जिससे पूरी प्रक्रिया नियमानुसार जल्द से जल्द पूरी की जा सके।

अधिवक्ता ने किया ड्रीमटी इंटरनेशनल स्कूल के मान्यता के जांच की मांग

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। अधिवक्ता अभिषेक कुमार मिश्र ने खण्ड शिक्षा अधिकारी नगर क्षेत्र, महानिदेशक स्कूल शिक्षा उत्तर प्रदेश, संयुक्त शिक्षा निदेशक बेसिक बस्ती मण्डल, बेसिक शिक्षा अधिकारी को पत्र देकर कोतवाली थाना क्षेत्र के ओरीजोत मुहल्ले में चल रहे ड्रीमटी इंटरनेशनल स्कूल के मान्यता की जांच कराकर दोषियों के विरूद्ध कार्रवाई कराये जाने की मांग किया है।

भेजे पत्र में अधिवक्ता अभिषेक कुमार मिश्र ने कहा है कि संजय सिंह पुत्र शिवकोमल सिंह द्वारा

संचालित ड्रीमटी इंटरनेशनल स्कूल में छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है। कक्षा 9 और 10 की मान्यता न होने के बावजूद बिना अभिभावकों को अवगत कराये बच्चों का धडल्ले से प्रवेश लिया जाता है और अयोग्य शिक्षकों द्वारा कक्षाओं का संचालन होता है। अनेक अभिभावक और छात्र इसका आये दिन शिकार हो रहे हैं। पत्र के द्वारा मांग किया गया है कि ड्रीमटी इंटरनेशनल स्कूल के मान्यता की जांच कराकर दोषियों के विरूद्ध कार्रवाई कराया जाय जिससे छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ न होने पाये।

बाबा साहब डा. भीमराव अम्बेडकर जयन्ती पर गोष्ठी में विमर्श

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। भारत रत्न बाबा साहब डा. भीमराव अम्बेडकर जयन्ती के उपलक्ष्य में कार्यक्रमों का सिलसिला जारी है। इसी कड़ी में भीम पाठशाला समिति द्वारा मलिकपुरवा अम्बेडकर पार्क निकट प्लास्टिक काम्पलेक्स में बाबा साहब पर केन्द्रित गोष्ठी में उनके योगदान पर चर्चा की गई। राष्ट्रीय मिशन गायक सपना बौद्ध और विशाल गाजीपुरी ने बाबा साहब पर केन्द्रित गीतों के माध्यम से उनके योगदान, वर्तमान सामाजिक स्थितियों पर लोगों को सोचने पर मजबूर कर दिया।

भीम पाठशाला के संस्थापक अध्यक्ष रामशंकर आजाद, संस्थापक कोषाध्यक्ष मूलचंद आजाद, मंडल अध्यक्ष रंजीत कुमार गौतम, संस्थापक महासचिव विक्रम गौतम एडवोकेट, राना प्रवीन कुमार के संयोजन में आयोजित गोष्ठी और राष्ट्रीय मिशन गायकों के कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोग उमड़े। वक्ताओं ने कहा कि बाबा साहब डॉ. भीम राव अम्बेडकर एक ऐसी शख्सियत हैं जिन्होंने न केवल सदियों पुरानी अनेक रूढ़िवादी परम्पराओं को तोड़ने का साहस किया अपितु सामाजिक न्याय के ढांचे को मजबूती दी। सामाजिक बदलाव के जन आंदोलनों की कमान महिलाओं को सौपकर उनकी शक्ति को शिक्षा और संघर्ष से जोड़ा और संवैधानिक अधिकारों की राह दिखाई। स्कूल में जिस बालक भीम को कभी बैठने के लिए पहली सीट न मिली, नल से स्वम् पानी पीने का अधिकार न मिला, कक्षा में जिसके सवाल– जवाब को तवज्जो न दी गई, उसने गरीब, मजदूर, किसानों, महिलाओं और

-मिशन गायकों के गीतों ने दिया आगे बढने की प्रेरणा

समाज के हर शोषित वंचित तबकों की संसद में आवाज बुलंद की और सामाजिक न्याय की संवैधानिक लड़ाई लड़ी। जिसका परिणाम है की भारत आज सबका साथ सबका विकास के मंत्र के साथ दुनिया की आंखों में आंखें डाल विकास की महाशक्ति बनने के लिए अग्रणीय खड़ा है। हमें बाबा साहब के जीवन से प्रेरणा लेकर आगे बढना होगा।

इस अवसर पर बच्चों ने बाबा साहब पर केन्द्रित सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर उपस्थित लोगों का मन मोह लिया।

जिला अध्यक्ष, राना प्रवीण कुमार, विशाल कुमार, अशोक सम्राट, अरुण राज भारती, श्याम लता, रीता बौद्ध, विकास राव, सोनू गौतम, आकाश आर्या, दीपक राय, गोविंद पेड़ा वाले बाबा, पर्वेंद्र कुमार, अमरजीत, विशाल, देवेंद्र बौद्ध, बाबूलाल बौद्ध, पिंटू बौद्ध, मंगल सिंह राव, राघवेंद्र प्रताप, रूपेश, रेनू बाला, राहुल राव, गोविंद, अमरजीत नागवंशी, अशोक, अमित नागबंशी, रणधीर गौतम के साथ ही अनेक लोगों ने योगदान दिया।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"–वेडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 21 अप्रैल 2025 सोमवार

सम्पादकीय

कोचिंग के नाम पर....!

सही है कि हाल के दशकों में ज्यादातर प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के क्रम में कोचिंग संस्थानों की भूमिका बढ़ती गई है। बल्कि आज स्थिति यह हो गई है कि शिक्षा जगत के दायरे में इसे कोचिंग उद्योग के नाम से जाना जाने लगा है। मगर इस क्रम में बनी निर्भरता के समांतर बहुत सारे कोचिंग संस्थान अपने यहां दाखिले के लिए जिस तरह के दावे करते हैं, अपनी उपलब्धियों, सुविधाओं और संसाधनों को इस कदर बढ़ा–चढ़ा कर पेश करते हैं कि कई विद्यार्थी इसके प्रभाव में वहां चले जाते हैं। कई बार ऐसा भी होता है कि किसी अन्य संस्थान में पढ़ाई किए सफल अभ्यर्थी को वे अपने यहां का बता दें। हालांकि कई बार ऐसे दावे झूठे निकलते हैं।

कोचिंग संस्थानों की इस प्रवृत्ति पर कई बार सवाल उठ चुके हैं, सरकार ने सख्ती बरतने की बात कही है, खुद सर्वोच्च न्यायालय भी कह चुका है कि कई कोचिंग संस्थान अभ्यर्थियों की जिंदगी से खिलवाड़ कर रहे हैं। मगर अलग–अलग तरीके अपना कर झूठे दावे करने के चलन पर अब तक रोक नहीं लगाई जा सकी है।

अब एक बार फिर केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण यानी सीसीपीए ने कोचिंग संस्थानों की ओर से परोसे जाने वाले भ्रम पर शिकंजा कसने के लिए कड़ी चेतावनी जारी की है। उपभोक्ता अधिकारों से संबंधित इस निकाय ने उनके लिए पिछले वर्ष निर्धारित दिशा–निर्देशों का सख्ती से पालन करने का निर्देश दिया है। इसके तहत कोचिंग संस्थानों को यह सुनिश्चित करना होगा कि उनके विज्ञापन 'सटीक, स्पष्ट हों और भ्रामक दावों से मुक्त' होंय विद्यार्थियों के दाखिले को लेकर बताई जाने वाली जानकारी में पूरी पारदर्शिता हो।

यह छिपा नहीं है कि प्रतियोगिता परीक्षाओं की तैयारी कराने के मद्देनजर कोचिंग संस्थान जिस तरह की प्रचार सामग्री जारी करते हैं, उनका केंद्रीय भाव यही होता है कि उनके यहां पढ़ाई करने के बाद सफलता की गारंटी और चयन की संभावना 'सौ फीसद' होगी। हकीकत यह है कि कोचिंग संस्थानों और उसमें पढ़ने वाले विद्यार्थियों की संख्या बहुत बड़ी है और उसके मुकाबले नौकरी के लिए सीटें सीमित या बहुत कम संख्या में होती हैं। ऐसे में सबको 'सौ फीसद चयन' की गारंटी देना भ्रम परोसने से कम नहीं है।

गौरतलब है कि आइआइटी–जेईईई परीक्षा के नतीजों की तारीख नजदीक है। आमतौर पर इसी तरह की किसी बड़े महत्त्व की परीक्षा के नतीजों के बाद कई कोचिंग संस्थानों की ओर से ऐसे दावे किए जाते हैं कि उनके यहां पढ़ाई करने वाले विद्यार्थियों ने कामयाबी हासिल की है। इस क्रम में वे कई बार दूसरे संस्थानों के विद्यार्थी का नाम भी फर्जी तरीके से इस्तेमाल करते हैं। इसका मकसद यही होता है कि इस तरह के प्रचार को देख कर नए विद्यार्थी उनके संस्थान में दाखिला लेने को लेकर प्रभावित होंगे और इस तरह उनके कारोबार का विस्तार होगा। जबकि इसके बरक्स हकीकत यह होती है कि बहुत सारे सफल अभ्यर्थियों का ऐसा दावा करने वाले संस्थानों से कोई वास्ता नहीं होता।

कोचिंग संस्थानों को यह स्पष्ट करने की जरूरत महसूस नहीं होती कि सीमित अवसरों के दौर में सभी अभ्यर्थियों की शत–प्रतिशत सफलता की गारंटी वे किस आधार पर देते हैं। इस तरह के दावे एक तरह से झूठ का कारोबार होते हैं, जिसके जाल में फंस कर बहुत सारे विद्यार्थियों का सपना आमतौर पर अधूरा रह जाता है। ऐसे में अपने संसाधनों और क्षमताओं के बारे में बढ़–चढ़ कर झूठे दावे करने वाले कोचिंग संस्थानों पर लगाम लगाना वक्त की जरूरत है।

कई कोचिंग सेंटर भारतीय प्रशासनिक सेवा (यूपीएससी), आईआईटी एवं अन्य प्रवेश परीक्षाओं की तैयारी कर रहे अभ्यर्थियों से असत्य दावे–वादे करते हैं। उन्हें लुभाते हैं और अपने संस्थान में नामांकन के लिए प्रेरित करते हैं। सफल अभ्यर्थियों पर दावा जताते हैं। उन्हें अपने संस्थान का बताकर दूसरे अभ्यर्थियों को नामांकन के लिए प्रेरित करते हैं। यह खेल आखिर कब तक.....?

सपा के दलित प्रेम का सियासी समीकरण

–अजय कुमार–

फाइल फोटो

उत्तर प्रदेश में दलित राजनीति का मिजाज लगातार बदल रहा है। बसपा के चुनावी रण में कमजोर पड़ते ही सभी दलों ने बीएसपी के कोर दलित वोटरों को अपने पाले में लाने के लिये बिसात बिछाना शुरू कर दी है। यह सिलसिला 2017 से शुरू हुआ था और अब चरम पर नजर आ रहा है। इसी का परिणाम है कि अब किसी भी चुनाव में दलित वोटों में भी बिखराव देखने को मिलता है। स्थिति यह कि मौजूदा राजनीति में महात्मा गांधी तो अप्रासंगिक हो गये हैं जबकि बाबा साहब भीमराव अम्बेडकर का 'सिक्का' चल रहा है।कांग्रेस जिसने गांधी के नाम के सहारे कई चुनाव जीते अब उसे भी बाबा साहब में अपना भविष्य नजर आता है। कुछ वोट बैंक के सौदागरों द्वारा बाबा साहब को ऐसा महिमामंडित कर दिया गया है मानों पूरा संविधान उन्हीं ने तैयार किया था। वोट बैंक की खातिर देश के संविधान को बाबा साहब का संविधान कहकर प्रचारित प्रसारित किया जाता है,जबकि हकीकत में राजनैतिक दलों की यह सब कसरत दलित वोटों के लिये है।यूपी में भाजपा और समाजवादी पार्टी आजकल दलितों के नये रहनुमा बनने में लगे हैं। यह इस लिये है क्योंकि यूपी में 2027 के विधानसभा चुनाव की तैयारियां जोरों पर हैं, और समाजवादी पार्टी (सपा) ने दलित समुदाय को अपने पक्ष में करने के लिए एक व्यापक रणनीति अपनाई है। पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने 'पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) गठबंधन को केंद्र में रखते हुए दलित नेताओं को पार्टी में शामिल किया है और विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से दलित मतदाताओं तक पहुँचने का प्रयास कर रहे हैं।

सपा ने 2022 के विधानसभा चुनावों में इंद्रजीत सरोज, त्रिभुवन दत्त, आर.के. चौधरी और राम प्रसाद चौधरी जैसे प्रमुख दलित नेताओं को पार्टी में शामिल किया था। अब इसमें नया नाम बसपा के पूर्व दलित नेता दद्दू प्रसाद का शामिल हो गया है। इन नेताओं को अब 2027 के चुनावों के लिए महत्वपूर्ण जिम्मेदारियाँ सौंपी गई हैं, ताकि वे अपने समुदाय के वोटों को सपा के पक्ष में मोड़ सकें। इसके अतिरिक्त, फैजाबाद के सांसद अवधेश प्रसाद को दलित चेहरे के रूप में प्रस्तुत किया जा रहा है, जिन्हें अखिलेश यादव लगातार अपने साथ रख रहे हैं।

सपा ने श्पीडीए पर चर्चाश् नामक एक कार्यक्रम शुरू किया है, जिसका उद्देश्य पिछड़े, दलित और अल्पसंख्यक समुदायों को भाजपा सरकार द्वारा उनके अधिकारों पर किए जा रहे हमलों और संविधान के साथ हो रहे खिलवाड़ के बारे में जागरूक करना है। इस कार्यक्रम के तहत पार्टी कार्यकर्ता गांव–गांव जाकर पीडीए समुदाय के लोगों से संवाद कर रहे हैं और उन्हें सपा की नीतियों से अवगत करा रहे हैं। सपा ने दलित समुदाय के साथ अपनी एकजुटता दिखाने के लिए विभिन्न प्रतीकात्मक कदम उठाए हैं। लखनऊ में पार्टी कार्यालय के बाहर बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर, राम मनोहर लोहिया और हनुमान जी की तस्वीरों वाले होर्डिंग्स लगाए गए हैं, जिन पर हम दलितों के साथ हनुमान जी जैसे संदेश लिखे गए हैं। इसके अलावा, पार्टी ने अंबेडकर जयंती पर बड़े कार्यक्रम आयोजित करने की योजना बनाई है, ताकि दलित समुदाय के साथ अपनी प्रतिबद्धता को और मजबूत किया जा सके।

सपा ने 2024 के लोकसभा चुनावों में उम्मीदवार चयन में पिछड़े, दलित और अल्पसंख्यक समुदायों को प्राथमिकता दी थी। पार्टी ने 57 उम्मीदवारों में से 15 अनुसूचित जाति, 29 पिछड़े वर्ग और 4 मुस्लिम समुदाय से उम्मीदवार उतारे थे। इस संतुलन को 2027 के विधानसभा चुनावों में भी बनाए रखने की योजना है, ताकि पीडीए गठबंधन को और मजबूत किया जा सके।इसी क्रम में अखिलेश यादव भाजपा सरकार पर दलितों और आदिवासियों को निशाना बनाने का आरोप लगाते हैं।वह कहते हैं कि भाजपा सरकार पीडीए समुदाय के लोगों की नियुक्ति रोक रही है और उनके अधिकारों को छीन रही है। अखिलेश ने यह भी आरोप लगाया कि भाजपा सरकार संविधान और आरक्षण के साथ खिलवाड़ कर रही है, और उन्होंने पीडीए समुदाय से भाजपा को सत्ता से बाहर करने का आह्वान किया है।

लब्बोलुआब यह है कि समाजवादी पार्टी ने 2027 के विधानसभा चुनावों के लिए दलित समुदाय को अपने पक्ष में करने के लिए एक व्यापक रणनीति अपनाई है। पार्टी ने दलित नेताओं को महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी हैं, पीडीए पर चर्चा कार्यक्रम शुरू किया है, प्रतीकात्मक कदम उठाए हैं, उम्मीदवार चयन में संतुलन बनाए रखा है, और भाजपा पर तीखे आरोप लगाए हैं। 14 अप्रैल को बाबा साहब की 150 जयंती के समय भी समाजवादी पार्टी ने पूरे प्रदेश में कई कार्यक्रमों का आयोजन किया। अखिलेश यादव ने लखन में बाबा साहब की मूर्ति पर पुष्प चढ़ाकर उनके नमन किया । अखिलेश के इन सभी प्रयासों का उद्देश्य दलित समुदाय के समर्थन को हासिल करना और 2027 के चुनावों में भाजपा को सत्ता से बाहर करना है।

आत्मा अमर है, लेकिन बाबा को बॉडीगार्ड चाहिए

–डॉ. सत्यवान सौरभ–

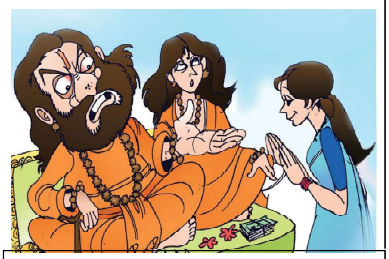

किसी साधु का इतने सुरक्षा घेरे में आना अब कोई दुर्लभ दृश्य नहीं रहा। बाबा धीरेन्द्र शास्त्री जैसे 'इंफ्लुएंसर संत' अब सत्संग कम और इवेंट ज्यादा करते हैं। स्टेज पर बड़ी एलईडी स्क्रीन, सफेद लाइट, ढोल–नगाड़ों के बीच उनकी एंट्री होती है, और इसके पीछे होती है पूरी 'प्रोटोकॉल टीम' जैसे कोई बॉलीवुड सुपरस्टार पहुंच रहा हो। क्या अब आध्यात्मिकता का मोल लोगों की आस्था से नहीं, बल्कि पुलिस बल और मीडिया कवरेज से तय होगा? सवाल केवल सुरक्षा का नहीं है। सवाल है कि किस आधार पर एक बाबा को ल श्रेणी की सुरक्षा दी जाती है? क्या देश में ऐसे लोगों की कमी है जिन्हें सच में जान का खतरा है सामाजिक कार्यकर्ता, पत्रकार, महिला अधिकारों के लिए लड़ने वाली महिलाएं? परंतु सरकारें चुपचाप संतों को विशेष सुरक्षा देती हैं, शायद इस डर से कि कहीं उनके अनुयायियों की नाराजगी न झेलनी पड़े। यह सीधा 'वोट बैंक' की राजनीति का आध्यात्मिक संस्करण है।

जो संत मोक्ष, आत्मा की अमरता और मृत्यु से भयमुक्त रहने का उपदेश देते हैं, वे स्वयं भारी सुरक्षा घेरे में क्यों रहते हैं?

कैसे आज के आध्यात्मिक गुरु धर्म से अधिक इवेंट मैनेजमेंट में लगे हैं, और सरकारें उन्हें सुरक्षा देकर राजनीति और वोट बैंक साधती हैं। यदि बाबा वाकई मृत्यु को एक भ्रम और आत्मा को अजर–अमर मानते हैं, तो फिर उन्हें सुरक्षा की क्या जरूरत? असली संत वही होता है जो सत्य के साथ निर्भय खड़ा हो न कि सुरक्षा घेरे में छिपा हो।

शरीर नाशवान है, आत्मा अजर–अमर। मृत्यु तो केवल एक परिवर्तन है, उससे भय नहीं करना चाहिए।' यह वाक्य किसी आध्यात्मिक प्रवचन से नहीं, बल्कि देश के सबसे चर्चित युवा बाबा, बागेश्वर धाम सरकार धीरेन्द्र शास्त्री के किसी भी कार्यक्रम में बार–बार दोहराया जाता है। लेकिन जिस बाबा की वाणी में मृत्यु के प्रति भयमुक्ति का यह अमृत बहता है, वही बाबा जब वाई श्रेणी सुरक्षा में चार थानों की फोर्स, सैकड़ों पुलिसकर्मी, दर्जनों बाउंसर और निजी सुरक्षाकर्मियों से घिरे दिखते हैं, तो आम आदमी की आत्मा चिल्ला उठती है 'बाबा, ये क्या चल रहा है?'

बीते सप्ताह बाबा बीकानेर के पास नोखा क्षेत्र में एक धर्मात्मा उद्योगपति के नव–निर्मित भवन के श्प्रवेशोत्सवश में पधारे। धर्म, भक्ति और आडंबर का ऐसा संगम था कि खुद त्रिदेव भी यदि आ जाते तो भीड़ को चीरते हुए मंच तक न पहुँच पाते। बाबा के स्वागत में फूल बरसे, जयघोष गूंजे, और रंगीन अखब्बारों में दो–दो पृष्ठों पर उनके दर्शन, उपदेश और सुरक्षा तंत्र का महिमामंडन हुआ।

जिस गुरु की वाणी से मृत्यु का भय मिटाने का दावा होता है, वह स्वयं बुलेटप्रूफ गाड़ियों में चलता है, निजी अंगरक्षकों की सेना रखता है, और सरकार से वाई श्रेणी की सुरक्षा लेता है। क्या मोक्ष के मार्ग पर चल रहे संतों के लिए यह सांसारिक सुरक्षा जरूरी हो गई है? अगर आत्मा अमर है, और मृत्यु केवल शरीर का त्याग, तो फिर यह सुरक्षा किससे? असुरक्षा का डर किसका? क्या यह जनता के विश्वास के साथ धोखा नहीं?

कहा जा सकता है कि संतों को विरोधियों, असामाजिक तत्वों से खतरा हो सकता है। लेकिन यह तर्क खुद बाबा के उपदेशों से खारिज हो जाता है। बाबा कहते हैं 'डर केवल अज्ञानी को होता है। जब ईश्वर साथ हो, तो कोई क्या बिगाड़ सकता है?' फिर, जब भक्तों की भीड़, पुलिस का पहरा और सरकार की छत्रछाया है, तो बाबा को किस 'मृत्यु' का भय है?

क्या यह वही बाबा नहीं हैं जिन्होंने प्रयागराज महाकुंभ की भगदड़ में मारे गए लोगों को 'मोक्षप्राप्त' घोषित कर दिया था? अगर भगदड़ में मरे तीर्थयात्री स्वर्ग सिधार सकते हैं, तो फिर बाबा को तो इस भीड़ में परमानंद ही मिलना चाहिए!

किसी साधु का इतने सुरक्षा घेरे में आना अब कोई दुर्लभ दृश्य नहीं रहा। बाबा धीरेन्द्र शास्त्री जैसे श्इंफ्लुएंसर संतश अब सत्संग कम और इवेंट ज्यादा करते हैं। स्टेज पर बड़ी एलईडी स्क्रीन, सफेद लाइट, ढोल–नगाड़ों के बीच उनकी एंट्री होती है, और इसके पीछे होती है पूरी 'प्रोटोकॉल टीम' जैसे कोई बॉलीवुड सुपरस्टार पहुंच रहा हो। क्या अब आध्यात्मिकता का मोल लोगों की आस्था से नहीं, बल्कि पुलिस बल और मीडिया कवरेज से तय होगा?

सवाल केवल सुरक्षा का नहीं है। सवाल है कि किस आधार पर एक बाबा को ल श्रेणी की सुरक्षा दी जाती है? क्या देश में ऐसे लोगों की कमी है जिन्हें सच में जान का खतरा है सामाजिक कार्यकर्ता, पत्रकार, महिला अधिकारों के लिए लड़ने वाली महिलाएं? परंतु सरकारें चुपचाप संतों को विशेष सुरक्षा देती हैं, शायद इस डर से कि कहीं उनके अनुयायियों की नाराजगी न झेलनी पड़े। यह सीधा 'वोट बैंक' की राजनीति का आध्यात्मिक संस्करण है।

आखिर में बात आम आदमी की करनी होगी ' उस भक्त की, जो तपती दोपहर में घंटों कतार में खड़ा रहता है, बाबा के एक दर्शन की उम्मीद में। जिसे बाबा कहते हैं, 'मोह–माया छोड़ो', लेकिन वही बाबा करोड़ों के दान स्वीकार करते हैं, एसी टेंट में बैठते हैं, और सुरक्षा घेरे में प्रवचन देते हैं। क्या यह श्रद्धा है या कोई सुनियोजित भ्रम? क्या यह धर्म है या प्रदर्शन?

अगर मृत्यु के बाद मोक्ष ही जीवन का उद्देश्य है, और बाबा मार्गदर्शक हैं, तो फिर वे स्वयं मृत्यु से क्यों डरें? क्यों न वह सुरक्षा छोड़, उसी आस्था पर भरोसा करें जिसका उपदेश देते हैं? या फिर मान लिया जाए कि यह पूरा खेल केवल मंच है – जहाँ भावनाओं का व्यापार होता है, और मोक्ष, माया, मृत्यु सब शब्द भर रह गए हैं।

बागेश्वर बाबा हों या कोई और, जब भी कोई संत आध्यात्मिकता के नाम पर सुरक्षा, वैभव और सत्ता का लाभ लेता है, तो उसके प्रवचनों की पवित्रता पर सवाल उठना स्वाभाविक है। श्रद्धा को सुरक्षा से नहीं, सत्य से ताकत मिलती है। बाबा यदि वाकई आत्मा की अमरता में विश्वास रखते हैं, तो उन्हें सबसे पहले वाई श्रेणी सुरक्षा का त्याग करना चाहिए कृ क्योंकि असली संत वही है, जो सत्य के साथ निर्भय खड़ा हो।

शमशान–कब्रिस्तान और 'पंक्चर' तक राजनैतिक विमर्श

–तनवीर जाफरी–

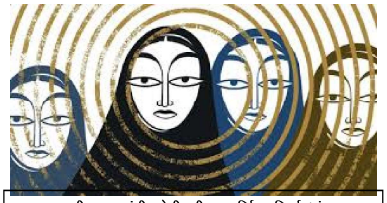

यशस्वी प्रधानमंत्री मोदी की दूरदर्शिता सिर्फ 'पंक्चर ज्ञान ' तक ही सीमित नहीं है बल्कि कभी वे यह ज्ञान भी देते हैं कि 'उपद्रवियों की पहचान उनके कपड़ों से ही पता चल जाती है।' और कभी साम्प्रदायिक ध्रुवीकरण की खातिर उन्हें यह कहने में भी कोई हिचक नहीं होती कि –' अगर रमजान में बिजली आती है तो दीवाली में भी आनी चाहिए। अगर कब्रिस्तान के चारों तरफ दीवार बनती है तो श्मशान भी वैसा ही होना चाहिए। ' मुझे तो नहीं याद कि पंडित नेहरू व इंदिरा गाँधी जैसे प्रधानमंत्रियों ने भी कभी इसतरह की भाषा का प्रयोग किया हो जोकि आज के युग के 'यशस्वी' प्रधानमंत्री द्वारा की जा रही है। आखिर विपक्षी नेताओं द्वारा क्यों आज प्रधानमंत्री को 'दो रूपये के ट्रोल्स की भाषा का प्रयोग करने वाला प्रधानमंत्री' कहा जाने लगा है ? जाहिर है इसकी वजह यही है कि दुर्भाग्यवश अब राजनैतिक विमर्श का स्तर 'कपड़ों' से पहचान' वाया शमशान–कब्रिस्तान होते हुये अब 'पंक्चर' तक पहुँच चुका है।

भारतीय जनता पार्टी के बड़े से लेकर छोटे नेता तक जब कभी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का सार्वजनिक रूप से नाम लेते हैं तो उनके नाम के साथ 'यशस्वी' शब्द जरूर लगाते हैं। देश को इसके पहले लंबे समय तक शासन करने वाले पंडित जवाहरलाल नेहरू व इंदिरा गाँधी जैसे प्रधानमंत्री भी मिले। परन्तु उनके नाम के साथ 'यशस्वी' शब्द कम से कम स्थाई रूप से इसतरह चिपका हुआ नहीं देखा गया। बजाये इसके वर्तमान 'यशस्वी' प्रधानमंत्री को कांग्रेस की सरकारों विशेषकर पंडित नेहरू की विभिन्न अवसरों पर आलोचना करते हुये जरूर देखा गया। निश्चित रूप से अपने समर्थकों की नजरों में नरेंद्र मोदी यशस्वी प्रतापी,महान,हिन्दू हृदय सम्राट कुछ भी हो सकते हैं। परन्तु देश का निष्पक्ष नागरिक जब श्यशस्वीश प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तुलना कांग्रेस के ही उन पूर्व प्रधान मंत्रियों से करता है जिसकी मोदी आलोचना करते हैं तो निश्चित रूप से वह पंडित नेहरू व इंदिरा गाँधी के सार्वजनिक भाषणों की भी तुलना श्यशस्वीश प्रधानमंत्री के भाषणों व उसके मुख्य मुख्य अंशों से जरूर करना चाहता है। और यह भी जानना चाहता है कि मात्र बहुसंख्य वोट हासिल करने के लिये क्या कभी इन पूर्व प्रधानमंत्रियों द्वारा भी ऐसी शब्दावलियों का प्रयोग किया गया जैसी कि हमारे श्यशस्वीश प्रधानमंत्री द्वारा बार बार की जाती है ? क्या इसतरह के भाषण और इस स्तर की भाषा ही हमारे प्रधानमंत्री को 'यशस्वी' प्रधानमंत्री बनाती है ?

पिछले दिनों देश के यही 'यशस्वी' प्रधानमंत्री हरियाणा के हिसार पधारे। यहाँ एक जनसभा में वक्फ कानून का जिक्र करते करते कुछ ऐसे शब्द उनके मुंह से निकले जिससे उनका 'यश' रातोंरात चौगुना हो गया। प्रधानमंत्री मोदी ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए यहाँ भी अपनी प्रिय ' पंच लाइन' तो दोहराई ही कि कांग्रेस पार्टी वक्फ को लेकर तुष्टीकरण की राजनीति कर रही है। साथ ही उन्होंने यह भी कह डाला कि– वक्फ की संपत्ति का अगर ईमानदारी से उपयोग हुआ होता तो मुसलमान नौजवानों को साइकिल का पंक्चर बनाकर जिंदगी नहीं गुजारनी पड़ती। ' इत्तेफाक से जिसदिन प्रधानमंत्री अपने इस श्वेशकीमती वचनोंश के द्वारा समुदाय विशेष के युवाओं को पंक्चर बनाने वाला युवा बता रहे थे उसी दिन संविधान निर्माता बाबासाहेब की जयंती भी थी। इस 'बेशकीमती वाक्य ' के उनके मुंह से निकलते ही श्यशस्वी प्रधानमंत्रीश को लोगों ने खासकर विपक्ष ने आईना दिखाना शुरू कर दिया।

जो प्रधानमंत्री देश के युवाओं को पकौड़ा बेचने की सलाह देते थे वही पंक्चर जैसे व्यवसाय का मजाक उड़ाते दिखाई दिये? यहाँ यह याद दिलाना जरूरी है कि आज की मंहगाई के समय में पंक्चर बनाने का व्यवसाय शुरू करना भी आसान नहीं है। लाखों रूपये,उपयुक्त स्थान,बिजली,एयर कम्प्रेसर,भरपूर मेहनत और भी बहुत कुछ कुछ चाहिये पंक्चर का व्यवसाय शुरू करने के लिये। वैसे भी यह रोजगार भीख मांगने या खंजरी बजाने से तो कहीं बेहतर और इज्जत वाला कारोबार है साथ ही यह वाहन चालकों को बड़ी राहत पहुँचाने वाला व्यवसाय है। याद कीजिये राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वरिष्ठ नेता इंद्रेश कुमार ने कुछ वर्ष पूर्व इंदौर में एक कार्यक्रम में कहा था कि 'भीख मांगना भी देश के 20 करोड़ लोगों का रोजगार है, जिन्हें किसी ने रोजगार नहीं दिया उन लोगों को धर्म में रोजगार मिलता है, जिस परिवार में पांच पैसे की कमाई भी न हो उस परिवार का दिव्यांग और दूसरे सदस्य धार्मिक स्थलों में भीख मांगकर परिवार का गुजारा करता है, ये छोटा काम नहीं है।" जरा सोचिये जब संघ के वरिष्ठ नेता को भीख मांगना तक भी छोटा काम नहीं लगता तो संघ प्रशिक्षित श्यशस्वीश प्रधानमंत्री को पंक्चर बनाना जैसा अहम व्यवसाय तुच्छ व्यवसाय कैसे नजर आ गया ?

इसी तरह संघ प्रशिक्षित व उत्तर प्रदेश के एक प्रसिद्ध विश्वविद्यालय के उप कुलपति राजाराम यादव ने भी अपने एक व्याख्यान में भीख मांगने को न केवल सही ठहराया था बल्कि इसे प्रोत्साहन भी दिया था। उन्होंने बताया था कि श्अपने छात्र जीवन में जब वे ट्रेन से स्कूल जाते थे उस समय एक अंधा भिखारी डफली बजा कर एक दिन में एक से दूसरे स्टेशन के बीच में 2 दिन की जरूरत भर की कमाई कर लेता था। आज दुनिया में भारत में बेरोजगारी का हव्वा खड़ा करके देश को बदनाम किया जा रहा हैश। उसी समय उन्होंने छात्रों को सम्बोधित करते हुये यह तक कह दिया था कि श्अगर किसी के पास डफली खरीदने के पैसे ना हों तो उनको विश्वविद्यालय डफली खरीद कर दे देगा । वैसे तो प्रधानमंत्री भी अपने साक्षात्कार में अपने ही लिये 25–30 वर्षों तक भीख मांगने की बात कर चुके हैं। फिर आखिर पंक्चर बनाने जैसा परिश्रम करने वाला स्वाभिमानी व्यवसाय तुच्छ या निकृष्ट अथवा हीन व्यवसाय कैसे और क्योंकर हो गया ?

यशस्वी प्रधानमंत्री मोदी की दूरदर्शिता सिर्फ 'पंक्चर ज्ञान ' तक ही सीमित नहीं है बल्कि कभी वे यह ज्ञान भी देते हैं कि 'उपद्रवियों की पहचान उनके कपड़ों से ही पता चल जाती है।' और कभी साम्प्रदायिक ध्रुवीकरण की खातिर उन्हें यह कहने में भी कोई हिचक नहीं होती कि –' अगर रमजान में बिजली आती है तो दीवाली में भी आनी चाहिए। अगर कब्रिस्तान के चारों तरफ दीवार बनती है तो श्मशान भी वैसा ही होना चाहिए। ' मुझे तो नहीं याद कि पंडित नेहरू व इंदिरा गाँधी जैसे प्रधानमंत्रियों ने भी कभी इसतरह की भाषा का प्रयोग किया हो जोकि आज के युग के 'यशस्वी' प्रधानमंत्री द्वारा की जा रही है। आखिर विपक्षी नेताओं द्वारा क्यों आज प्रधानमंत्री को 'दो रूपये के ट्रोल्स की भाषा का प्रयोग करने वाला प्रधानमंत्री' कहा जाने लगा है ? जाहिर है इसकी वजह यही है कि दुर्भाग्यवश अब राजनैतिक विमर्श का स्तर 'कपड़ों' से पहचान' वाया शमशान–कब्रिस्तान होते हुये अब 'पंक्चर' तक पहुँच चुका है।

खेत में ट्रॉली बैग देख अवाक रह गए किसान, पुलिस ने खोला तो निकली लाश

संवाददाता–देवरिया। एक खेत में ट्रॉली बैग पड़ा देख गेहूं की कटाई करने पहुंचे किसान हैरान रह गए। उन्होंने तत्काल पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंचते ही थानेदार ने भांप लिया कि मामला कुछ गंभीर है। उन्होंने तत्काल उच्चाधिकारियों को इसकी सूचना दी और ट्रॉली बैग के आसपास बैरिकेडिंग करा दी। सूचना पर एएसपी भी मौके पर पहुंचे। उनकी मौजूदगी में ट्रॉली बैग खोला गया तो उसमें से एक युवक की लाश निकली। खेत में बैग और बैग में लाश की खबर जंगल में आग की तरह गांव में फैल गई और देखते ही देखते मौके पर अच्छी–खासी भीड़ जुट गई। शव किसका है? अभी तक इस बारे में कोई कुछ नहीं बता पा रहा है। पुलिस लाश की शिनाख्त और मामले की तहकीकात में जुटी है।

तरकुलवा थाना क्षेत्र के पकड़ी पटखौली गांव की है। यहां के रहने वाले जितेंद्र गिरी रविवार को गेहूं की अपनी फसल कटवाने के लिए कंबाइन लेकर पहुंचे थे। वह अपने खेत में पहुंचे ही थे कि उनकी नजर बगल के मदन जायसवाल के खाली खेत में पड़े एक ट्रॉली बैग पर पड़ी। यूं खेत में बड़ा सा बैग पड़ा होने को लेकर उनका मन कई तरह की शंकाओं से भर गया। उन्होंने तत्काल इसकी सूचना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही तरकुलवा के थानाध्यक्ष मौके पर पहुंच गए।

उन्हें भी मामला गंभीर लगा। तब तक आसपास लोगों की भीड़ जुटने लगी थी। सो, थानाध्यक्ष ने सबसे पहले बैग मिलने वाले क्षेत्र की बैरिकेडिंग करा दी। सूचना पर पहुंचे एएसपी अरविंद कुमार वर्मा की मौजूदगी में बैग को खोला गया। बैग खुलते ही उसके अंदर से युवक का शव दिखाई पड़ा। युवक के सिर पर धारदार हथियार से हमला किए जाने का अनुमान पुलिस लगा रही है। इस बारे में एएसपी ने कहा कि युवक की हत्या हुई है। मामले की जांच की जा रही है। शव की शिनाख्त करने का प्रयास किया जा रहा है। जांच के लिए जिले की एसओजी समेत अन्य टीमें भी मौके पर बुलाई गईं। संदिग्ध बैग मिलने की सूचना पर मौके पर डॉग स्क्वायड और फॉरेंसिक टीम भी पहुंची। फॉरेंसिक विशेषज्ञों ने एक–एक सामान की जांच करने के साथ ही बतौर सबूत मौके से नमूने भी जुटाए।

11 लोगों के विरुद्ध विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज

संवाददाता–गोण्डा। कोतवाली पुलिस ने 11 लोगों के विरुद्ध विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कराया है। वादी फकीर बख्श निवासी भोंका ने दर्ज कराई गई रिपोर्ट में कहा है कि 19 अप्रैल को दिन में 11 बजे भोका में स्थित मदरसे में अशरफ मियां निवासी किछौछा शरीफ अम्बेडकर नगर ने बैठक बुलाई है। बैठक में वादी ने कहा कि मदरसे में तमाम पैसे आते हैं जिसका लेखा जोखा रखने के लिये एक कमेटी का गठन किया जाए। इसी बात पर वहां पर मौजूद अशरफ मियां के द्वारा मेरे इस प्रस्ताव को रखते ही नाराज होकर वहां से डांटकर भगा दिया। जब यह बात उनके पुत्र सध्दाम को पता चली तो सध्दाम ने अशरफ मियां से फोन पर शिकायत की कि मेरे पिता को आपने डांटकर भगा दिया है।

इसी बात से नाराज होकर शकील निवासी मटेहिया बहराइच, आजाद निवासी बनकटवा गोंडा जो संस्था चलाते हैं, वहां पर उनके साथ में शाहिद, आमिर, शफील, कमाल मोहम्मद, सलारे खां निवासी भोंका, मुस्तफा निवासी जलेपुरवा भोंका, शाहरुख खां निवासी बदलीपुरवा भोंका, मुसर्रफ सुभानपुरवा मौजा अखड़ेरा, आजाद, मुस्तफा निवासी जलेपुरवा भोंका, खुर्शीद हाफिज, शफील निवासी बादलपुरवा भोंका व कुछ अन्य अज्ञात लोग शाम को उसके घर पर चढ़ आये और मारने लगे। शोर करने पर बेटा लल्लू बचाने आया तो उन्हे भी मारना पीटना शुरू कर दिया। गाली व धमकी देते हुये कहे कि अगली बार तुमने कमेटी के लिये कहा तो जान से मार दूंगा। कोतवाल श्रीधर पाठक ने बताया कि तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज किया गया है मामले की जांच की जा रही है।

मामूली विवाद में महिला व बालक को पीटा

संवाददाता–गोण्डा। थाना क्षेत्र के दो गांवों में बच्चों के विवाद में दबंगों ने एक महिला और एक अबोध बालक को पीट दिया। पुलिस ने पीड़िताओं की ओर से चार लोगों पर धमकी व मारपीट का केस दर्ज किया है।

पुरैना डीहा की पिंकी का आरोप है गांव के कालू सहित दो लोगों ने डंडे से उसके चार साल के अबोध बालक करन यादव को पीट दिया। जब उसने मना किया तो धमकाया। ग्राम गौरीगंज की नूरजहां का आरोप है कि बच्चों के विवाद में गांव के जुमई सहित दो लोगों ने धमकाते हुए लाठी–डंडे से उसे पीट दिया।

जर्जर तहसील भवन को दुरुस्त करने का काम शुरू

संवाददाता–बलरामपुर। वर्षों से जर्जर अवस्था में चल रहे सदर तहसील के भवन का मरम्मत कार्य शुरू कर दिया गया है। कार्यदायी संस्था पीडब्ल्यूडी ने पुराने छतों को तोड़कर वाटर प्रूफिंग का कार्य प्रथम चरण में चालू किया है। तहसील भवन व परिसर की मरम्मत के लिए शासन से 75.30 लाख रुपये की धनराशि कार्यदायी संस्था के खाते में भेजी गई है। जर्जर भवन व दीवार की मरम्मत के साथ–साथ वाटर प्रूफिंग, भवन के प्लास्टर व अन्य कार्य जल्द ही शुरू कराया जाएगा। परिसर में व्याप्त गंदगी को हटवाकर फर्श बनाया जाएगा। साथ ही आम जनमानस के लिए उनके पानी की व्यवस्था भी कराई जाएगी।करीब चार दशक पूर्व बने तहसील भवन की मरम्मत न होने से परिसर की दीवार व कमरे जर्जर हो चुके हैं। भवन के कमरे का प्लास्टर पूर्ण रूप से उजड़ चुका है। दीवारों में दरार पड़ चुकी है, जिसमें बड़े बड़े पेड़ उग आए हैं। जरा सी बरसात होने पर छत से पानी टपकना शुरू हो जाता है। बिजली के तार व वायरिंग उजड़ चुके हैं। अधिकांश फर्श भी जगह–जगह टूट चुके हैं। परिसर में बड़ी–बड़ी झाड़ियां उग आई हैं। जगह–जगह गंदगी की भरमार है। नालियों के क्षतिग्रस्त होने से जल निकासी की सुविधा बाधित रहती है। बरसात के समय में छत से पानी टपकने के कारण तहसील के अभिलेखों को सुरक्षित रख पाना भी कर्मचारियों के लिए बड़ा मुश्किल होता है। राजस्व न्यायालयों में हल्की सी बरसात में ही पानी भर जाता है। जिस कारण वहां पर न्यायिक कार्य कर पाना अधिकारियों एवं कर्मचारियों के साथ–साथ अधिवक्ताओं को भी बड़ा मुश्किल होता है। जर्जर तहसील भवन की मरम्मत को लेकर कई बार अधिवक्ताओं ने एसडीएम सहित अन्य उच्चाधिकारियों से वार्ता की। शासन से धनराशि न मिलने के कारण तहसील भवन की मरम्मत नहीं हो पा रही थी, जिस कारण राजस्व अधिकारियों एवं कर्मचारियों के साथ–साथ वकीलों को भी परेशानियों का सामना करना पड़ता था। गुरुवार को सदर तहसीलदार अखिलेश कुमार ने जर्जर तहसील भवन एवं परिसर का निरीक्षण किया। उन्होंने अतिशीघ्र भवन मरम्मत का कार्य शुरू कराकर तहसील का सुंदरीकरण कराने की बात कही है। सदर तहसीलदार अखिलेश कुमार ने बताया कि जर्जर तहसील भवन के मरम्मत की जिम्मेदारी लोक निर्माण विभाग को मिली है। भवन मरम्मत व सुंदरीकरण के लिए शासन से 75.30 लाख रुपए निर्गत किये गए हैं। संस्था ने पहले चरण में जर्जर छतों को तोड़कर वाटर प्रूफिंग का कार्य शुरू किया है। जल्द ही तहसील भवन की मरम्मत व परिसर की साफ सफाई का कार्य शुरू कराया जाएगा। बताया कि शासन से निर्गत धनराशि को भवन के वाटर प्रूफिंग, खिड़ियों पर शीशे, क्षतिग्रस्त दीवालों की मरम्मत, प्लास्टर, पेंट व पुट्टी के साथ–साथ झाड़ियों की साफ–सफाई कराकर परिसर में फर्श बनवाया जाएगा। कहा कि क्षतिग्रस्त नालियों की भी मरम्मत कराई जाएगी, ताकि जल निकासी की समस्या न उत्पन्न होने पाए। सदर तहसील में सबसे अधिक परेशानी आम जनमानस को शौच के लिए उठानी पड़ती थी। तहसील में आने वाली महिलाओं को परिसर के किनारे झाड़ियों के बीच शर्मसार होना पड़ता था। सदर तहसीलदार ने बताया कि तहसील परिसर में पहले से शौचालय बना हुआ था। मरम्मत एवं देखरेख के अभाव में वह निष्प्रयोज्य था। शौचालय का विस्तारीकरण कराया जाएगा। जिससे आम जनमानस को शौच के लिए परेशानी न उठानी पड़े। उन्होंने बताया कि परिसर में लगी झाड़ियों को साफ कराकर फर्श बनवाया जाएगा। शासन से मिली धनराशि का पूरा सदुपयोग करते हुए सदर तहसील का सौंदर्यीकरण कार्य कराया जाएगा।

चौक में ई–रिक्शा के वन–वे संचालन पर सहमति

संवाददाता–गोण्डा। नगर कोतवाली सभागार कक्ष में रविवार को एएसपी पूर्वी मनोज कुमार रावत की अध्यक्षता में व्यापार मण्डल के प्रतिनिधियों एवं सराफा व्यापारियों के साथ बैठक आयोजित की गई। इसमें व्यापारी समुदाय की सुरक्षा, सुविधा और कानून–व्यवस्था के मुद्दों पर चर्चा की गई। चौक क्षेत्र में ई–रिक्शा के वन–वे संचालन पर भी सहमति बनी हैं। इसे आगामी दिनों में लागू किया जाएगा। बैठक का उद्देश्य व्यापारियों के हितों की रक्षा करना, सड़क पर अतिक्रमण हटाना, यातायात व्यवस्था को सुगम बनाना और जनपद में शांतिपूर्ण व्यापारिक माहौल सुनिश्चित करना था। एएसपी पूर्वी ने साथ ही सुरक्षा की दृष्टि से व्यापारियों को अपने–अपने प्रतिष्ठानों पर सीसीटीवी कैमरे लगाने, प्रकाश की व्यवस्था रखने, आपसी सहयोग से मार्केट में सुरक्षा गार्ड&चौकीदार रखने की अपील की।

जमीन विवाद में पीड़ित परिवार को जान का खतरा, भू–माफिया कर रहे हाईकोर्ट के स्थगन आदेश की अवहेलना

संवाददाता–देवरिया। पिपरपाती गांव में एक पैतृक संपत्ति विवाद ने गंभीर मोड़ ले लिया है। वशिष्ठ मिश्र ने कहा कि कुछ प्रभावशाली लोग और भू–माफिया उनकी पैतृक संपत्ति हड़पने की कोशिश कर रहे हैं। मामला खतौनी खाता संख्या 354 का है, जिसका रकबा 0.2490 है। यह जमीन वशिष्ठ मिश्र को विरासत में मिली है। इस जमीन को लेकर कई सालों से विवाद चल रहा है। वशिष्ठ मिश्र ने बताया कि उन्हें दीवानी वाद संख्या 747&66 में न्यायालय से जीत मिली थी। इसके अलावा इलाहाबाद हाईकोर्ट से वाद संख्या 34040&2006 में स्थगन आदेश भी मिला हुआ है। मिश्र ने आरोप लगाया है कि मदेश्वर लाल त्रिपाठी, अवधेश नाथ त्रिपाठी समेत करीब 20 लोगों ने मिलकर बार–बार अनावश्यक मुकदमे दायर कर उन्हें मानसिक रूप से परेशान किया है। कोर्ट के स्थगन आदेश के बावजूद ये लोग जमीन की पैमाइश करवाकर कब्जा करने की कोशिश कर रहे हैं। पीड़ित ने मुख्यमंत्री से अपील की है कि उनकी जमीन और परिवार की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि इस मामले में शहर और बाहर के भू–माफिया शामिल हैं, जिससे उनके परिवार को जान का खतरा है।

कटरा में डबल लेन सड़क के साथ बनेगा नाला

संवाददाता–श्रावस्ती। बौद्ध तपोस्थली से सटे इलाके में स्थित कटरा वासियों के लिए राहत भरी खबर है। यहां के लोगों को जल्द ही बदहाल सड़क व जलभराव की समस्या से निजात मिलेगी। शासन की ओर से कस्बे में डबल लेन सड़क के साथ ही नाला निर्माण को मंजूरी दी गई है और बजट भी स्वकृति कर दिया गया है।

विकास क्षेत्र इकौना में स्थित कटरा के लोगों को बदहाल सड़क व जलभराव की समस्या से दुश्वारियों का सामना करना पड़ रहा है। कस्बे की सिंगल लेन सड़क जगह जगह गड्ढे में तब्दील हुई है। जलनिकासी की व्यवस्था ठीक न होने के कारण पूरे साल सड़क पर जलभराव की स्थिति बनी रहती है। बरसात में समस्या और अधिक विकराल हो जाती है। लोगों की समस्या को ध्यान में रहते हुए श्रावस्ती विधायक राम फेरन पांडेय की ओर से कटरा कस्बे में डबल लेन सड़क के साथ ही सड़क के दोनों ओर नाला निर्माण कराने का प्रस्ताव दिया गया था। विधायक के प्रस्ताव का शासन ने मंजूरी देते हुए 7.81 करोड़ 33 हजार रुपये का बजट स्वकृत किया है। इस बजट से कटरा कस्बे में सात मीटर चौड़ी सड़क के साथ ही सड़क के दोनों ओर नाले का निर्माण कराया जाएगा। जिसके लिए टेंडर की कार्रवाई प्रक्रियाधीन है। टेंडर का काम पूरा होते ही सड़क व नाले का निर्माण शुरू हो जाएगा। निर्माण पूरा होने के बाद कटरा वासियों को गड्ढे से भरी सड़क व सड़क पर होने वाले जलभराव की समस्या से मुक्ति मिल जाएगी। कटरा वासियों का कहना है कि सड़क पूरी तरह से बदहाल है। जगह जगह गड्ढे बने हुए हैं। जलनिकासी की व्यवस्था ठीक नहीं है। इससे लोगों को पूरे साल समस्या का समाना करना पड़ता है। बरसात में सड़क पर घुटने तक पानी जमा हो जाता है। तब आने जाने में समस्या होती है। कई बार बाइक सवार गड्ढे में फंसकर गिर जाते हैं। लेकिन अब सड़क व नाला निर्माण होने के बाद लोगों को राहत मिल जाएगी।

कटरा बाजार श्रावस्ती बौद्धस्थली की मुख्य बाजार है। बौद्धस्थली आने वाले पर्यटक व अनुयायी कटरा बाजार में ही खरीदारी करने आते हैं। कटरा की कुल आबादी दो हजार के करीब है। यहां से बौद्धस्थली की दूरी डेढ़ किलोमीटर है। विश्वशांति घंटाघर महज एक किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। जबकि श्रावस्ती एयरपोर्ट मात्र 500 मीटर की दूरी पर है। इन सभी स्थानों पर पहुंचने या वहां से दूसरी जगह जाने के लिए कटरा कस्बे से ही होकर जाना पड़ता है। बौद्ध परिपथ के बाईपास निर्माण के बाद कस्बे से होकर जाने वाली मुख्य सड़क बदहाल थी।

क्षेत्रीय लोगों के साथ ही यहां आने वाले पर्यटकों व विदेशी अनुयायियों को बदहाल सड़क पर आवागमन करने में समस्या का सामना करना पड़ता है। लेकिन अब सड़क व नाले का निर्माण होने के बाद लोगों का सफर आसान हो जाएगा।

केपी मिश्रा, अधिशाषी अभियंता लोनिवि ने कहा कि शासन की ओर से कटरा में सात मीटर चौड़ी कंकरीट रोड निर्माण के लिए स्वीकृति दी गई है। साथ ही जरूरत अनुसार कुछ स्थानों पर दोनों ओर नाले के निर्माण को मंजूरी मिली है। टेंडर की कार्रवाई प्रक्रियाधीन है। टेंडर पूरा होते ही निर्माण कार्य शुरू हो जाएगा।

बच्चों के विवाद में चटकी लाठियां, किशोरी घायल

संवाददाता–श्रावस्ती। बच्चों के विवाद को लेकर दो पक्षों में मारपीट हो गई। जिसमें एक पक्ष के लोगों ने दूसरे पक्ष के लोगों पर लाठी डंडा व धारदार औजार से हमला कर दिया। जिसमें एक किशोरी गंभीररूप से घायल हो गई और अन्य को भी चोटे आई। इकौना थाना क्षेत्र के ग्राम मुजहनिया निवासी मालिकराम आर्य पुत्र महादेव प्रसाद के पुत्र सुमित कुमार का शनिवार देर रात में कुछ बच्चों से किसी बात को लेकर विवाद हो गया। बच्चों को झगड़ता देख दूसरे पक्ष के राजित राम, राहुल व राहुल की मां अन्य परिजनों के साथ मौके पर आ गए और सुमित की पिटाई करने लगे। भाई को पिटता देख उसकी बहन प्रतिभा (16) उसे बचाने के लिए बीच में आ गई। इस पर दबंगों ने प्रतिभा पर भी लाठी डंडा व धारदार औजार से हमला बोल दिया। जिसमें प्रतिभा गंभीररूप से घायल हो गई। बच्चों को मार खाता देख बचाने आई मां की भी दबंगों ने पिटाई कर दी। परिजनों की ओर से प्रतिभा को थाने लाकर पुलिस को मामले की जानकारी दी गई। पुलिस की ओर से घायल किशोरी को चिकित्सीय परीक्षण के लिए सीएचसी भेजा गया। पीड़ित पक्ष ने तहरीर देकर आरोपियों के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की है। पीड़ित का आरोप है कि दबंग जान से मारने की धमकी दे रहे हैं।

लाल हरे रंगों में हमको न बांटों, छत पर बस मेरे एक तिरंगा रहने दो

संवाददाता–गोण्डा। रेतवागाड़ा स्थित बाबा खामोश शाह की मजार पर आयोजित तीन दिवसीय उर्स ए पाक जलसे का समापन शनिवार की रात को जवाबी कव्वाली के साथ संपन्न हो गया है। कव्वालों ने गंगा जमुनी तहजीब पर शानदार प्रस्तुति देकर समां बांध दिया।

समारोह में कमेटी के अध्यक्ष प्रधान प्रतिनिधि राजकुमार सिंह, आजाद खान,राजन सिंह, तुफैल खान,सुनील कुमार तिवारी,जमाल बाबा,लालमन गिरि, जैनुलाब्दीन खान,मैराज खान, जाबिर, मोहर्रम अली प्रमुख रूप से मौजूद रहे। बाबा खामोश शाह की मजार पर आयोजित 51 वां सालाना उर्स शनिवार की देर शाम गाजे बाजे के साथ जुलूस निकालकर नौजवान कमेटी मुस्लिम समाज की ओर से गागर चादर व सन्दल पेश किया गया।

कव्वाल रिजवान चिश्ती अयोध्या व आसिफ साकिब फैजाबादी के बीच जोरदार मुकाबला हुआ। कव्वाल रिजवान चिश्ती ने, बहती है इस देश में गंगा बहने दो, क्यूं करते हो दंगा रहने दो। लाल हरे रंगों में हमको न बांटो, छत पर बस मेरे एक तिरंगा रहने दो। जैसी कव्वाली से गंगा जमुना तहजीब पेश कर आपसे सौहार्द का संदेश दिया तो पूरा परिसर तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। इसके अलावा परिंदों के लबों पर भी तिलावत जाग जाती है, उसे जब भी पुकारो जाग जाती है, जमी मां है हमारी जैसी कव्वाली पेश कर माहौल खुशनुमा बना दिया। देखो तो सुहागन के मुखड़े की दमक अपने प्रीतम की आंख का तारा है जीवन–खेती को सींचती जाएगी अमृत की नदी का रस भरी धारा है।

कव्वाली कार्यक्रम में जैसे–जैसे रात गुजरती गई, मुकाबला परवान चढ़ता गया। शेरो–शायरी व गजल का दौर सुबह तक चलता रहा। कव्वालों ने तुम्हारे शहर का मौसम बड़ा सुहाना लगे, मैं एक शाम चुरा लूं, अगर बुरा न लगे। हमारे नाम से जलने लगी है ए दुनिया, दर्द मीठा–मीठा सा दिल में यार मेरे होता है, क्यों उदास बैठे हो, चेहरा उतरा–उतरा है, क्या किसी के आने का इंतजार होता है, जहां है फूल वहां तितलियां भी आएगी, चमन बनेगा जहां बिजूरिया भी आएगी, सुना है इसलिए वह चूड़ियां बेचेगा, खरीदने के लिए लड़कियां भी आएगी ये धरती शान हमारी है.सुना खूब वाहवाही बटोरी। इस दौरान बड़ी संख्या में श्रोता डटे रहे। सुरक्षा व्यवस्था में थानेपुर पुलिस मुस्तैद रही है।

बेकाबू बाइक के पलटने से देवर– भाभी की मौत

संवाददाता–बलरामपुर। तेज रफ्तार बाइक पलटने से देवर व भाभी की मौत हो गई जबकि दो गंभीर रूप से घायल बच्चियों को संयुक्त जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया गया है। सभी बाइक सवार देवी पाटन मंदिर से मेला देखकर लौट रहे थे। दुर्घटना स्थानीय कोतवाली क्षेत्र अन्तर्गत चौहहत्तरकलाँ गांव के निकट शनिवार देर रात हुई है। चौहत्तरकलाँ गांव के 20 लोग अलग–अलग बाइक पर सवार होकर देवीपाटन मेला देखने गए थे। वे लगभग तीन बजे रात को घर के लिए रवाना हुए। 21 वर्षीय संजय पुत्र प्रभूलाल की बाइक सबसे आगे थी। उसी बाइक पर उनकी भाभी 25 वर्षीय सुनीता पत्नी सियाराम, दो भतीजी छह वर्षीस सुप्रिया व डेढ़ वर्षीय संजना सवार थीं। कटकुईया बघेलखंड मार्ग स्थित चौहत्तरकलाँ गांव किट एक गहरा डिप है। डिप पार करते समय संजय की बाइक अनियंत्रित होकर पलट गई। संजय के गर्दन की हड्डी टूट गई जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। सुनीता उनकी पुत्री सुप्रिया व संजना को भी गंभीर चोटें आईं। पीछे से आ रहे अन्य ग्रामीणों ने दुर्घटना की सूचना पुलिस को दी। घटना स्थल पर चीख पुकार मच गई। एंबुलेंस की मदद से सभी को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र तुलसीपुर ले जाया गया, जहां चिकित्सक ने संजय व सुनीता को मृत घोषित कर दिया। संजना व सुप्रिया की हालत गंभीर देखकर इलाज के लिए संयुक्त जिला चिकित्सालय रेफर किया गया। पुलिस ने पंचनामा कर शव परिजनों को सौंप दिया।

ग्रामीणों की मानें तो लगभग दो दर्जन लोगों ने शनिवार को मेला देखने की योजना बनाई थी। वे दोपहर में ही मेला देखने के लिए निकल गए थे जबकि कुछ लोगों ने शनिवार को मेला जाने से सभी को रोका था। इस दर्दनाक घटना से गांव में कोहराम मचा है। मासूम सुप्रिया व संजना के सिर से मां का साया उठ चुका है। संजय की अभी शादी नहीं हुई है। वह पंजाब में रहकर कमाई करते थे। अभी नवरात्र में ही घर आए थे। संजय के पिता प्रभुलाल ने अपना बेटा व बहू को गंवा दिया। उनका रो–रोकर बुरा हाल है। रविवार को ही देवर व भाभी की अन्त्येष्टि कर दी गई। जिसमें सैकड़ों की संख्या में लोग शामिल हुए।

31 स्वास्थ्य केंद्रों पर मुख्यमंत्री आरोग्य मेला, एक दिन में 2297 मरीजों का मुफ्त इलाज

संवाददाता–बलरामपुर। जिले में रविवार को मुख्यमंत्री आरोग्य स्वास्थ्य मेला का आयोजन हुआ। 31 प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर लगे इस मेले में 2297 मरीजों को स्वास्थ्य सेवाएं दी गईं, जिसमें 1011 पुरुष, 797 महिलाएं और 489 बच्चे शामिल रहे। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. मुकेश कुमार रस्तोगी ने सिसई प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने डॉक्टरों और पैरामेडिकल स्टाफ को निर्देश दिए कि मरीजों को बिना वजह बाहर रेफर न किया जाए। उन्होंने कहा कि जरूरी दवाएं और जांच सुविधाएं स्थानीय पीएचसी पर ही उपलब्ध कराई जाएं, ताकि लोगों को दूर–दराज न भटकना पड़े।

मेले में मौसमी बीमारियों से बचाव को लेकर लोगों को जागरूक भी किया गया। सभी मरीजों की निःशुल्क जांच की गई और आवश्यक दवाएं दी गईं। इस अवसर पर चिकित्सा अधिकारी डॉ. मोहित श्रीवास्तव और बघनी पीएचसी का स्टाफ भी सक्रिय रहा। आरोग्य स्वास्थ्य मेले का मकसद छुट्टी के दिन भी लोगों को बेहतर और सुलभ स्वास्थ्य सुविधाएं देना है, ताकि ज्यादा से ज्यादा लोग इलाज का लाभ उठा सकें।

जेठपुरवा जाने वाली सड़क गड्ढों में तब्दील, सड़क मरम्मत न होने से खतरों के बीच यात्रा कर रहे हैं लोग

संवाददाता–गोण्डा। कौड़िया जगदीशपुर मार्ग से जेठ पुरवा को जाने वाली पक्की सड़क पूरी तरह से टूटकर गड्ढों में तब्दील हो गई है। सड़क पर पत्थर निकल आए हैं, जिससे लोगों को आवागमन में काफी समस्या का सामना करना पड़ता है। स्थानीय लोगों ने इस सड़क की मरम्मत कराने के लिए विभागीय अधिकारियों से कई बार मांग की लेकिन स्थिति ज्यो की त्यों बनी हुई है।

विकासखंड रुपईडीह के आर्यनगर–करनैलगंज मार्ग से कौड़िया जगदीशपुर होते हुए जेठपुरवा मुजेड को जाने वाली पक्की सड़क करीब 15 वर्ष पहले सपा शासनकाल में ग्रामीण अभियंत्रण विभाग से बनी थी। चार किमी. लंबी इस सड़क पर क्षेत्र के बेलभरिया, जगदीशपुर, जगदीशपुर बल्दी, तेलियन पुरवा, जगदीशपुर डीहा, बसभरिया, कलवारन पुरवा, नाऊन पुरवा,ककरहा,दूबे पुरवा, पिसैय्या , मुजेड,जेठ पुरवा, सहित क्षेत्र के दर्जनों गांव के हजारों लोगों का प्रतिदिन इस सड़क पर आवागमन होता है। यही नहीं यह सड़क पड़ोसी जनपद बहराइच के हरैय्या, डोलकुआ, गंगा जमुनी, श्रीनगर विशेश्वरगंज को जोड़ती है। जिस पर लोगों का आवागमन होता रहता है। सड़क की मरम्मत न होने के चलते सड़क पर जगह–जगह गड्ढे हो गए हैं तथा पूरे सड़क पर पत्थर निकल आए हैं। बरसात के समय यह सड़क पूरी तरह से तालाब नजर आती है। सड़क पूरी तरह से खराब होने के चलते लोगों को आवागमन में काफी समस्या का सामना करना पड़ता है। सर्वाधिक समस्या विद्यालय आने–जाने वाले बच्चों को होती है। जब वह आए दिन इस सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो जाते हैं। इस सड़क को ठीक करने की मांग पूर्व प्रधान संघ अध्यक्ष सत्यदेव शुक्ला, गिरधर मिश्रा, वशिष्ठ तिवारी, मुनीजर दूबे, प्रिंस केडिया, स्वामीनाथ शुक्ला, प्रकाश चंद्र दूबे सहित सैकड़ो लोगों ने विभागीय अधिकारियों से लेकर जनपद के उच्चाधिकारियों को कई बार पत्र देकर की है। इस संबंध में पीडब्ल्यूडी विभाग खंड दो के अवर अभियंता उपेंद्र कुमार ने बताया कि यह सड़क पीडब्ल्यूडी विभाग से ना बनकर बल्कि ग्रामीण अभियंत्रण विभाग से बनी थी। इसलिए इस सड़क पर मरम्मत एवं निर्माण कार्य वही विभाग कर सकता है।

लोग सड़क मरम्मत न होने से गुस्से में हैं। लोगों का कहना है कि मरम्मत न हुई तो धरना प्रदर्शन किया जाएगा। मुनीजर दूबे ने कहा कि कौड़िया जगदीशपुर मार्ग खराब होने के चलते लोगों को आवागमन में काफी समस्या होती है। मनोज मिश्रा ने बताया कि सड़क खराब होने के कारण विद्यालय को आने जाने वाले बच्चे आए दिन बच्चे गिरकर घायल हो जाते थे इसलिए प्रतिदिन बच्चों को छोड़ने के लिए आना जाना पड़ता है। प्रिंस केडिया ने कहा कि यह सड़क पूरी तरह टूट कर गड्ढों में तब्दील हो गई है।

राजकुमार दुबे ने कहा कि कौड़िया जगदीशपुर होते हुए जेठ पुरवा को जाने वाली सड़क के मरम्मत के लिए विभागीय अधिकारियों से कई बार कहा गया लेकिन परंतु कोई कार्रवाई नहीं हुई। कृष्ण गोपाल गुप्ता ने बताया कि सड़क खराब होने के चलते अधिकतम बच्चे स्कूल नहीं आ रहे हैं।जिससे बच्चों का भविष्य खराब हो रहा है। महेश गुप्ता ने बताया कि सड़क खराब एवं गड्ढों में तब्दील होने के चलते बच्चों को विद्यालय वाहन से लाने व ले जाने में काफी भय बना रहता है।

बिजली पोल में भिड़ा अनियंत्रित ट्रैक्टर, करंट लगने से चालक की मौत

संवाददाता–बलरामपुर। अनियंत्रित ट्रैक्टर बिजली पोल से टकरा गया जिसके कारण हाई टेंशन तार टूटकर पोल समेत ट्रैक्टर पर गिर गया। ट्रैक्टर चालक की करंट लगने से मौके पर ही मौत हो गई। घटना स्थानीय थाना क्षेत्र के रेहरा बाजार मार्ग स्थित नहर किनारे शनिवार रात लगभग दस बजे हुई है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। विशंभरपुर निवासी 45 वर्षीय संतराम पुत्र झिनकन ट्रैक्टर ट्राली से भूसा लेकर लौट रहे थे। सादुल्लाह नगर रेहरा मार्ग स्थित नहर किनारे लगे बिजली पोल से ट्रैक्टर टकरा गया। पोल के साथ–साथ हाई टेंशन तार टूटकर ट्रैक्टर पर गिर गया। ट्रैक्टर में करंट उतर आया, जिसकी चपेट में आकर संतराम की मौके पर ही मौत हो गई। ट्रैक्टर गांव के ही मिठाई लाल वर्मा का है। संतराम उनके घर निर्माण सामग्री आदि की ढुलाई का काम करता था। प्रभारी निरीक्षक मनोज कुमार सिंह ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।

गोवर्धन लीला का प्रसंग सुन भाव विभोर हुए श्रोता

संवाददाता–श्रावस्ती। सिरसिया विकास क्षेत्र के निरालानगर में रसिक नारायण धाम परिवार की ओर से सात दिवसीय श्रीमद भागवत कथा का आयोजन चल रहा है। शनिवार रात पांचवे दिन गोवर्धन लीला के प्रसंग का वर्णन किया गया। जिसे सुनकर श्रोता भावविभोर हो गए।

कथा वाचक संत रसिक मूर्ति रमन शास्त्री ने भगवान श्री कृष्ण की गोवर्धन लीला प्रसंग का वर्णन करते हुए कहा कि भगवान श्री कृष्ण ने अपनी लीला से इंद्र को भी नतमस्तक कर दिया। उन्होंने जगत का पालन किया और साथ ही सभी को जीवन जीने की कला सिखाई। उनके अनुसार श्रीमद् भागवत में जीवन का सार छिपा है। जिसे सुनने और समझने मात्र से जीवन की सभी परेशानियां दूर हो जाती हैं। उन्होंने कहा कि जिस समय मां यशोदा और नन्द बाबा सहित पूरा गाव इंद्र की पूजा करने की तैयारी में जुटा था तब श्रीकृष्ण ने अनजान बनकर नन्दबाबा से पूछा बाबा यह क्या हो रहा है। बाबा ने पूरी कहानी बतायी तो श्रीकृष्ण जिद कर गये कि आज बिना बोलने व खाने वाले के स्थान पर मेरे बोलने व खाने वाले देवता की पूजा होगी। बाबा नन्द व मां यशोदा सहित पूरे गाव के लोगों ने उनको समझाने का प्रयास किया पर उन्होंने एक न मानी और गोवर्धन पर्वत की पूजा की। जिसे अपना अपमान समझ इंद्रदेव नाराज हो गए और मूसलाधार वर्षा कर दी। तब श्रीकृष्ण ने गोवर्धन पर्वत को अपनी छोटी उगली पर उठा कर पूरे गाव को बचा लिया। अंत में हनुमान जी की झांकी निकाली गई। इस दौरान आयोजक शिव कुमार गुप्ता समेत अन्य भक्तों की ओर से गोवर्धन पूजा की गई और भगवान श्री कृष्ण को छप्पन प्रकार के व्यंजनों से भोग अर्पित किया।

हावर्ट बांध पर बन रहे फोरलेन से बाढ़ बचाव के साथ यातायात की समस्या भी होगी दूर -सीएम योगी

संवाददाता–गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को गोरखपुर में हावर्ट बांध पर बन रहे फोरलेन सड़क के निर्माण कार्यों का बहरामपुर रेगुलेटर नम्बर एक के समीप स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण के बाद जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि इस फोरलेन से बाढ़ बचाव के साथ ही यातायात की बड़ी समस्या का समाधान होगा। राजघाट से डोमिनगढ़, माधोपुर तटबंध होते हुए फोरलेन और आरओबी के निर्माण पर करीब 700 करोड़ रुपये की लागत आएगी। सीएम योगी ने इसके निर्माण को लेकर निर्देश जारी कर दिए हैं।

सीएम योगी ने स्थलीय निरीक्षण के दौरान फोरलेन की ड्राइंग मैप का अवलोकन कर प्रोजेक्ट की प्रगति की जानकारी ली और कार्यदायी संस्था लोक निर्माण विभाग (निर्माण खंड–2) के अधिकारियों को जरूरी निर्देश दिए। इसके बाद जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि गोरखपुर चारों ओर से जल से घिरा हुआ क्षेत्र है। इसके पूरब में रामगढ़ताल, उत्तर की तरफ चिलुआताल, पश्चिम की तरफ राप्ती नदी और पश्चिमोत्तर में रोहिन नदी गोरखपुर महानगर को घेरे हुए है। रोहिन नदी से बचाव के लिए माधोपुर तटबंध बना हुआ है। राप्ती और रोहिन नदी का संगम डोमिनगढ़ में होता है और इसके बाद राप्ती नदी गोरखपुर के पश्चिम की ओर से बहती है। राप्ती नदी की बाढ़ से बचाव के लिए हावर्ट बांध बना हुआ है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पूर्वी उत्तर प्रदेश में यदि कहीं बाढ़ आ जाती है तो गोरखपुर महानगर ही महत्वपूर्ण केंद्र होता है जहां से बचाव के कार्य सुगमता से संपन्न होते हैं। बाढ़ से शहर के बचाव के लिए दशकों से मांग हो रही थी। उन्होंने याद दिलाया कि वर्ष 2017–18 में इसी क्षेत्र में जब हावर्ट बांध पर जब राप्ती नदी का लेवल उठ रहा था तब बाढ़ से बचाव के लिए अत्यंत संवेदनशील स्थिति बन गई थी। काफी मशक्कत के बाद तटबंध को बचाया जा सकता था। इसे देखते हुए और यातायात की समस्या से भी निजात दिलाने के लिए एक नई व्यवस्था बनाई गई है। इसमें राजघाट से डोमिनगढ़ तक फोरलेन की सड़क बन रही है। डोमिनगढ़ में एक रेलवे ओवरब्रिज (आरओबी) का निर्माण हो रहा है। हावर्ट बांध के बाद माधोपुर तटबंध को भी फोरलेन से जोड़ते हुए महेसरा को जोड़ने की कार्रवाई होगी।

सीएम योगी ने कहा कि इससे सिटी के बाहर–बाहर फोरलेन की बेहतरीन कनेक्टिविटी मिल जाएगी। राजघाट, टीपीनगर से होते हुए नेपाल जाने वाले मार्ग पर जाने के लिए यात्रियों को शहर के अंदर जाने की जरूरत नहीं रहेगी। इस फोरलेन से सीधे महेसरा और फिर वहां से सोनौली मार्ग पर जाना आसान होगा। यही स्थिति मालभाड़ा पर भी लागू होगी। उन्होंने कहा कि यहां पास में स्थित साहबगंज मुख्य मंडी है। यहां पर कपड़े का भी बड़ा व्यापार है। इसके चलते ट्रक रात भर खड़े रहते हैं। लोगों को जाम का सामना करना पड़ता है। दिन में भी आवागमन में दिक्कत होती है। पर, अब फोरलेन बन जाने पर दिन हो या रात लोग घर आ–जा सकेंगे और व्यापरियों के माल का आना जाना भी आसान हो जाएगा। उन्होंने बताया कि इस पूरी परियोजना को लोक निर्माण विभाग और सेतु निगम कर रहे हैं और सिंचाई विभाग को भी जिम्मेदारी दी गई है कि वह बरसात से पूर्व रेगुलेटरों का अनुरक्षण कर ले। कोई समस्या हो तो समय रहते उसका समाधान कर लिया जाए ताकि शहर के अंदर जलजमाव की समस्या न होने पाए।

मुख्यमंत्री ने बताया कि राजघाट पुल से डोमिनगढ़ तक 4 किलोमीटर से अधिक की फोरलेन सड़क बनेगी, इस पर 195 करोड रुपये का खर्च आएगा। ऐसे ही डोमिनगढ़ से माधोपुर तटबंध होते हुए महेसरा तक 10 किलोमीटर से अधिक मार्ग को फोरलेन किया जाएगा जिस पर लगभग 380 करोड रुपये खर्च होंगे। साथ ही डोमिनगढ़ में एक रेलवे ओवरब्रिज का निर्माण होगा जिस पर 132 करोड रुपये खर्च होना है। यानी कुल 700 करोड रुपये के ऊपर का यह कार्य जनता के लिए स्वीकृत किया गया है। स्वीकृति के बाद यहां कार्य भी युद्ध स्तर पर चल रहा है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि कार्यदायी संस्थाएं समय पर कार्य पूर्ण कर लेंगी और लोगों को बड़ी राहत मिलेगी। सीएम योगी ने कहा कि इस कार्य के प्रारंभ होने से तात्कालिक रूप से कुछ लोगों को परेशानी हुई होगी। किसी का भी मकान या मंदिर, मार्ग में आ रहा हो तो उसके सम्मानजनक ढंग से पुनर्वास और मुआवजा की व्यवस्था प्रशासन सुनिश्चित करेगा। उन्होंने कहा कि इस पूरे कार्यक्रम को आमजन और व्यापारियों की सुरक्षा व सुविधा के दृष्टिकोण से सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए आगे बढ़ाया जाएगा।

जनता दर्शन मे सीएम योगी ने कहा– हॉस्पिटल ले जाने की करें व्यवस्था

संवाददाता–गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर प्रवास के दौरान लगातार दूसरे दिन रविवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन में लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। उन्होंने समस्या लेकर आए लोगों से आत्मीयता से संवाद करते हुए कहा कि किसी को भी परेशान होने की आवश्यकता नहीं है। इस दौरान एक महिला ने अपने परिजन के इलाज में आर्थिक दृष्टि से लाचार होने की बात कही तो मुख्यमंत्री भावुक हो गए। उन्होंने तत्काल अधिकारियों को निर्देशित किया कि महिला के परिजन को हॉस्पिटल ले जाने, भर्ती कराकर समुचित इलाज कराने की व्यवस्था की जाए। और, आगे किसी भी प्रकार की स्वास्थ्य समस्या होने पर दिक्कत न हो इसके लिए आयुष्मान कार्ड भी बनवाया जाए।

रविवार सुबह गोरखनाथ मंदिर परिसर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के सामने आयोजित जनता दर्शन में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 300 लोगों की समस्याएं सुनीं और अधिकारियों को उनका समाधान करने के निर्देश दिए। कुर्सियों पर बैठाए गए लोगों तक मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ खुद पहुंचे। एक–एक कर और इत्मीनान से सबकी समस्याएं सुनीं। उन्हें आश्वस्त किया कि वह सभी की समस्याओं का समाधान सुनिश्चित कराएंगे। किसी को भी घबराने या परेशान होने की की जरूरत नहीं है। प्रार्थना पत्रों को उन्होंने अधिकारियों को हस्तगत करते हुए निर्देश दिया कि हर समस्या का निस्तारण त्वरित, गुणवत्तापूर्ण और संतुष्टिप्रद होना चाहिए। कहा कि समस्याओं पर संवेदनशीलता से ध्यान दें और उसका समयबद्ध व पारदर्शी निस्तारण कराएं।

जनता दर्शन में कुछ लोग इलाज में आर्थिक मदद की गुहार लेकर पहुंचे थे। इसी क्रम में एक महिला ने कहा कि पैसे की कमी से परिजन को अस्पताल ले जाने की व्यवस्था नहीं हो पा रही है। इस पर मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि मरीज को अस्पताल पहुंचाने की व्यवस्था की जाए। भर्ती कराने के साथ इलाज का भी पूरा इंतजाम किया जाए। यह सब होने के बाद आयुष्मान कार्ड भी बनवा दिया जाए। मुख्यमंत्री से मिले इस आत्मीय संबल से महिला करबद्ध होकर कृतज्ञता ज्ञापित करने लगी। इलाज में आर्थिक मदद मांगने पहुंचे अन्य लोगों से मुख्यमंत्री ने कहा कि किसी भी जरूरतमंद के इलाज में धन की कमी बाधक नहीं होगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि इलाज में अस्पताल के इस्टीमेट की प्रक्रिया को जल्द पूर्ण कराकर शासन में भेजें। मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष से इलाज के लिए पर्याप्त राशि दी जाएगी।

प्रशासनिक कार्रवाई का कर रहे थे विरोध, सपा के पूर्व विधायकों को लिया हिरासत में

संवाददाता–बांसी (सिद्धार्थनगर)। बांसी के रामलीला मैदान जदीद बाजार में स्थाई व अस्थाई अतिक्रमण को हटाने की कार्यवाही रविवार को शुरू की गई। इस दौरान काफी संख्या में पुलिस व पीएसी पहले से ही तैनात कर दी गई। इस कार्रवाही के खिलाफ पीडब्लूडी के निरीक्षण भवन में समर्थकों के साथ सपा के पूर्व विधायक न जिलाध्यक्ष लालजी यादव अन्य पूर्व विधायक विजय पासवान व अन्य समर्थकों के साथ धरना दे रहे थे। इसी दौरान पुलिस ने मौके पर पहुंच दोनों पूर्व विधायकों को हिरासत में लिया और वहां से शिवनगर डिडई थाना लेत आई। इससे पहले, मोनू दूबे सहित कई अन्य सपा नेताओं को शनिवार की रात में हाउस अरेस्ट कर लिया गया था। कार्रवाई के दौरान अपर पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ, एसडीएम बांसी शशांक शेखर राय, एसडीएम डुमरियागंज डा संजीव कुमार दीक्षित, सीओ मयंक द्विवेदी सहित कई थानाध्यक्ष ही मौजूद रहे।

बेटे से विवाद में पेड़ से लटक कर बुजुर्ग ने की खुदकुशी

संवाददाता–गोरखपुर। सहजनवा थाना क्षेत्र के तिवरान गांव निवासी बुजुर्ग का शव संदिग्ध परिस्थिति में रविवार सुबह सहजन के पेड पर फंदे से लटकता मिला।परिजनों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

मिली जानकारी के अनुसार तिवरान निवासी 60वर्षीय रामबृक्ष गांव में ही घर से कुछ दूरी पर टीनसेट में रहते थे। शनिवार रात में बेटों से कुछ कहासुनी हुई थी।खाना खाने के बाद टीनशेड में सोने चले गये। भोर में उनका शव टीनशेड से कुछ दूरी पर सहजन के पेड पर रस्सी के फंदे से झुलता मिला। भोर में शव देखकर ग्रामीण परिजनों को सूचना दिए।परिजन पुलिस को सूचना दिए।पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। रामबृक्ष राकेश, सत्यकेश,हरिकेश,व महेश के पिता थे।चारों लडको की शादी हो चुकी है।एसओ महेश चौबे ने बताया शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।

दंपत्ति में हुआ विवाद, सुबह पत्नी का फंदे से झूलता मिला शव

संवाददाता–सिद्धार्थनगर।मृतका के मायके वाले सूचना मिलते ही सेमरा पहुंचे। पिता गिरपरन अपने बेटी को मारकर लटका देने का आरोप लगाते हुए रोने लगे। इतने में किसी बात को लेकर दोनों पक्षों में विवाद हो गया और मारपीट होने लगी।

शोहरतगढ़ थानाक्षेत्र के ग्राम सेमरा में बीती रात किसी बात को लेकर पति पत्नी में विवाद हो गया। रविवार की सुबह 23 वर्षीय पत्नी संगीता पासवान का शव कमरें में फांसी के फंदे से लटकता मिला। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और उसके पति धर्मेंद्र पासवान को हिरासत में ले लिया।

मृतका के मायके वाले सूचना मिलते ही सेमरा पहुंचे। पिता गिरपरन अपने बेटी को मारकर लटका देने का आरोप लगाते हुए रोने लगे। इतने में किसी बात को लेकर दोनों पक्षों में विवाद हो गया और मारपीट होने लगी। मृतका का मायका ग्राम मदरहना लाला थाना बांसी है। मृतका की शादी 9 वर्ष पूर्व हुई थी। 5 वर्ष पूर्व बाद गवना हुआ था। मृतका का एक दो वर्ष का एक बेटा भी है। मृतका ने आत्महत्या की या मारकर इसे लटका दिया गया है, मामला संदिग्ध है। प्रभारी निरीक्षक सुभाष यादव ने कहा कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पीएम रिपोर्ट आने के बाद कार्रवाई की जाएगी। कहा कि मृतका के पति धर्मेंद्र पासवान को हिरासत में रखा गया है।

कार्यालय ग्राम पंचायत-खुटहना वि0ख0 साऊंघाट जनपद- बस्ती

अल्पकालिक निविदा सूचना

वित्तीय वर्ष 2025–26 में 15 वां केन्द्रीय वित्त आयोग/राज्य वित्तें आयोग/अंत्येष्टि स्थल/स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) योजनान्तर्गत प्राथमिक विद्यालय/ पंचायत भवन/नरेगा पार्क एवं अन्य सार्वजनिक भवनों के अनुरक्षण, सुन्दरीकरण एवं अवस्थापना सुविधाओं के विकास हेतु निम्नलिखित निर्माण सामग्रियों को क्रय करने हेतु अल्पकालीन निविदा आमंत्रित की जाती है। इच्छुक आपूर्तिकर्ता दिनांक 21–04 2025 से 27–04–2025 तक कार्यालय कार्य दिवस में अपरान्ह 12.00 बजे तक प्रधान ग्राम पंचायत के कार्यालय पर सील बंद निविदा प्राप्त कर जमा कर सकते है। दिनांक 28–04–2025 को निविदा हेतु गठित कमेटी या निर्माण समिति के सदस्यों के समक्ष अपरान्ह 02.00 बजे खोली जायेगी, निविदा फर्म पैड पर होगी।

क्र.सं.	परियोजना का नाम	मात्रा (प्राक्कलन के अनुसार	शिड्यूल रेट के अनुसार (निम्नतम दर पर
1	टाइल्स, शुलभ/सामुदायिक शौचालय		
2	सीमेन्ट, बालू, गिट्टी, छड़		
3	ईट, हेण्डपम्प रिबोर, हरा चारा, सूखा चारा, चुन्नी सीमेंटेड ईट		
4	पलम्बरी सामग्री, खेल कूद के मैदान पर खेल कूद की सामग्री		
5	समर्सिबल, विद्युत तार, जलसंचयन सम्बन्धी कार्य		
6	इण्टरलाकिंग टाइल्स सामग्री गोवंश आश्रय केन्द्र पर भूसा अन्य		
7	डेस्क, बेंच फर्नीचर/आलमारी		
8	ग्रीन बोर्ड पर्दा, अन्त्येष्टी स्थल, सूखा–गीला कचरा प्रबंधन व कम्पोस्ट गड्ढा इत्यादि		
9	भूसा, वृक्षारोपण (पौधा कम से कम 6 फीट का होना चाहिए)		
10	कंस्ट्रक्शन ज्वाइंट, आंगनबाड़ी केन्द्र		
11	नाली निर्माण सामग्री पंचायत भवन		
12	खंडंजा, सोरता, सोलर लाईट, स्ट्रीट लाईट		
13	योगा/व्यायाम सामग्री, मॉडर्न वृक्षारोपण, ह्यूम पाईप, सी.सी. टीवी कैमरा ए.सी.पी. बोर्ड, दिशा सूचक/साईन बोर्ड/शिलापट्ट या फैन्सग्रास		
14	पंचायत भवन निर्माण/मरम्मत, आपरेशन कायाकल्प, फागिंग मशीन, लाल ईट आदि।		

प्रतिबंध एवं शर्ते– सभी कार्य योजना के अनुसार एवं प्राथमिकता के आधार पर कराये जायेंगे। समाग्री की मात्रा स्वीकृत होने के पश्चात तय की जायेगी। आवश्यकता के अनुसार सामग्री की आपूर्ति ग्राम प्रधान एवं ग्राम पंचायत सचिव के आदेश पर की जायेगी अथवा नही। आपूर्तिकर्ता वाणिज्यकर एवं आयकर कार्यालय में पंजीकरण अनिवार्य है। प्रस्तुत दर पी.डब्लू.डी. की दर से अधिक न हो। सामग्री आपूर्तिकर्ता द्वारा रू0–50 के स्टाम्प पेपर पर भरना अनिवार्य होगा। सामग्री आपूर्ति के पश्चात ही भुगतान किया जायेगा। आपूर्तिकर्ता को 4 प्रतिशत वाणिज्यकर एवं 2.24 प्रतिशत आयकर में कटौती के पश्चात ही भुगतान किया जायेगा। निविदा को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार निविदा समिति/निर्माण समिति में निहित होगा।

(मदन लाल) ग्राम प्रधान **(सुशील कुमार चौधरी)** ग्रा0पं0/ग्रा0वि0अधि0

पत्रांक मेमो /19.04.2025 वित्तीय वर्ष 2025–26

कार्यालय ग्राम पंचायत-मकदा वि0ख0 साऊंघाट जनपद- बस्ती

अल्पकालिक निविदा सूचना

वित्तीय वर्ष 2025–26 में 15 वां केन्द्रीय वित्त आयोग/राज्य वित्तें आयोग/अंत्येष्टि स्थल/स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) योजनान्तर्गत प्राथमिक विद्यालय/ पंचायत भवन/नरेगा पार्क एवं अन्य सार्वजनिक भवनों के अनुरक्षण, सुन्दरीकरण एवं अवस्थापना सुविधाओं के विकास हेतु निम्नलिखित निर्माण सामग्रियों को क्रय करने हेतु अल्पकालीन निविदा आमंत्रित की जाती है। इच्छुक आपूर्तिकर्ता दिनांक 21–04 2025 से 26–04–2025 तक कार्यालय कार्य दिवस में अपरान्ह 12.00 बजे तक प्रधान ग्राम पंचायत के कार्यालय पर सील बंद निविदा प्राप्त कर जमा कर सकते है। दिनांक 27–04–2025 को निविदा हेतु गठित कमेटी या निर्माण समिति के सदस्यों के समक्ष अपरान्ह 02.00 बजे खोली जायेगी, निविदा फर्म पैड पर होगी।

क्र.सं.	परियोजना का नाम	मात्रा (प्राक्कलन के अनुसार	शिड्यूल रेट के अनुसार (निम्नतम दर पर
1	टाइल्स, शुलभ/सामुदायिक शौचालय		
2	सीमेन्ट, बालू, गिट्टी, छड़		
3	ईट, हेण्डपम्प रिबोर, हरा चारा, सूखा चारा, चुन्नी सीमेंटेड ईट		
4	पलम्बरी सामग्री, खेल कूद के मैदान पर खेल कूद की सामग्री		
5	समर्सिबल, विद्युत तार, जलसंचयन सम्बन्धी कार्य		
6	इण्टरलाकिंग टाइल्स सामग्री गोवंश आश्रय केन्द्र पर भूसा अन्य		
7	डेस्क, बेंच फर्नीचर/आलमारी		
8	ग्रीन बोर्ड पर्दा, अन्त्येष्टी स्थल, सूखा–गीला कचरा प्रबंधन व कम्पोस्ट गड्ढा इत्यादि		
9	भूसा, वृक्षारोपण (पौधा कम से कम 6 फीट का होना चाहिए)		
10	कंस्ट्रक्शन ज्वाइंट, आंगनबाड़ी केन्द्र		
11	नाली निर्माण सामग्री पंचायत भवन		
12	खंडंजा, सोरता, सोलर लाईट, स्ट्रीट लाईट		
13	योगा/व्यायाम सामग्री, मॉडर्न वृक्षारोपण, ह्यूम पाईप, सी.सी. टीवी कैमरा ए.सी.पी. बोर्ड, दिशा सूचक/साईन बोर्ड/शिलापट्ट या फैन्सग्रास		
14	पंचायत भवन निर्माण/मरम्मत, आपरेशन कायाकल्प, फागिंग मशीन, लाल ईट आदि।		

प्रतिबंध एवं शर्ते– सभी कार्य योजना के अनुसार एवं प्राथमिकता के आधार पर कराये जायेंगे। समाग्री की मात्रा स्वीकृत होने के पश्चात तय की जायेगी। आवश्यकता के अनुसार सामग्री की आपूर्ति ग्राम प्रधान एवं ग्राम पंचायत सचिव के आदेश पर की जायेगी अथवा नही। आपूर्तिकर्ता वाणिज्यकर एवं आयकर कार्यालय में पंजीकरण अनिवार्य है। प्रस्तुत दर पी.डब्लू.डी. की दर से अधिक न हो। सामग्री आपूर्तिकर्ता द्वारा रू0–50 के स्टाम्प पेपर पर भरना अनिवार्य होगा। सामग्री आपूर्ति के पश्चात ही भुगतान किया जायेगा। आपूर्तिकर्ता को 4 प्रतिशत वाणिज्यकर एवं 2.24 प्रतिशत आयकर में कटौती के पश्चात ही भुगतान किया जायेगा। निविदा को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार निविदा समिति/निर्माण समिति में निहित होगा।

(पंकेश कुमार चौधरी) ग्राम प्रधान **(सुशील कुमार चौधरी)** ग्रा0पं0/ग्रा0वि0अधि0

पत्रांक मेमो /19.04.2025 वित्तीय वर्ष 2025–26

खलीलाबाद, मगहर और बखिरा में अतिक्रमण हटाने का अल्टीमेटम

संवाददाता–संतकबीरनगर। सड़कों पर बढ़ते अतिक्रमण को लेकर प्रशासन सख्त हो गया है। जिला पालिका परिषद खलीलाबाद, मगहर और बखिरा में सड़कों के दोनों तरफ ठेले और दुकानदारों के अतिक्रमण से जाम की स्थिति बन रही है। जिलाधिकारी महेंद्र सिंह तंवर के निर्देश पर अधिशाषी अधिकारी आदित्य प्रकाश, वैभव सिंह और अक्षेश कुमार ने मुख्य चौराहों का निरीक्षण किया। उन्होंने स्थाई और अस्थाई दुकानदारों को तीन दिन के भीतर अतिक्रमण हटाने का निर्देश दिया है। अधिशाषी अधिकारी आदित्य प्रकाश ने लाउडस्पीकर से चेतावनी दी कि समय सीमा के बाद नगर पंचायत बलपूर्वक अतिक्रमण हटाएगी। साथ ही अतिक्रमणकारियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई भी की जाएगी। प्रशासन ने नंदौर तिराहा, लेडुआ महुआ, अमरडोभा चौराहा, अस्पताल के सामने, पुलिस चौकी के सामने, इंटर कॉलेज तिराहा और सहजनवां मोड़ समेत कई स्थानों पर फल और चाट के ठेलों को हटाने का निर्देश दिया है। अधिकारियों का कहना है कि चौराहों पर अतिक्रमण से न सिर्फ आवागमन में परेशानी होती है, बल्कि दुर्घटनाओं का खतरा भी बना रहता है। प्रशासन की इस कार्रवाई से अतिक्रमणकारियों में हड़कंप मच गया है।

सचिवालय–हाईकोर्ट में नौकरी झांसा देकर ठगे 48.34 लाख रुपये

संवाददाता–गोरखपुर। प्रयागराज में किराए का कमरा लेकर प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले चार युवकों से जालसाजों ने नौकरी के नाम पर 48.34 लाख रुपये ठग लिए। युवकों को सचिवालय और हाईकोर्ट इलाहाबाद में नौकरी दिलाने का झांसा दिया गया था। मामले में एसएसपी के निर्देश पर चौरीचौरा पुलिस प्रयागराज और दिल्ली के सात आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर जांच में जुटी है। खजनी थाना क्षेत्र के कन्दराई निवासी देवेश कुमार यादव, गगहा थानाक्षेत्र के भरवलिया निवासी प्रहलाद साहनी, उरुवा थानाक्षेत्र के मठ भताडी निवासी राजकुमार यादव और बांसगांव थानाक्षेत्र के हरिहर भैसा गांव निवासी कृष्ण पाल यादव ने एसएसपी को विगत दिनों शिकायती पत्र दिया था। उन्होंने बताया कि प्रयागराज में तैयारी के दौरान उनकी मुलाकात वहां रहने वाले गायत्री नगर दांडी निवासी दीपक दुआ, दिल्ली के द्वारका सेक्टर 18 के अजीत, नजफगढ़ के मुकेश लता, रवि सिंह, खुशबू सिंह, अरविंद कुमार देशवाल और रूबी से हुई। इन लोगों ने बताया कि उत्तर प्रदेश, हरियाणा, दिल्ली और पंजाब आदि प्रदेशों के बेरोजगार युवकों को सरकारी नौकरी में 15–15 लाख रुपये देकर चयनित कराया है। पीड़ितों का कहना है कि सरकारी नौकरी के नाम पर रुपये देने के लिए तैयार हो गए। किसी तरह सगे संबंधियों से खेत बंधक रखकर एक बार तीन लाख रुपये दिए। फिर जालसाजों की ओर से दिए गए एक्सिस बैंक के खाते में 37 लाख 34 हजार रुपये भेजा गया। इसके बाद उन्होंने बताया कि वे बिहार जाने वाले हैं। सभी लोग दो–दो लाख रुपये और ओरिजिनल डॉक्यूमेंट लेकर चौरीचौरा नई बाजार रोड पर दे देना। चौरीचौरा में मुलाकात होने पर रुपया और कागजात दिया गया। युवकों ने बताया कि जालसाजों ने कहा कि जल्द ही उत्तर प्रदेश सचिवालय व हाईकोर्ट इलाहाबाद में नौकरी मिल जाएगी। कुछ समय बीतने के बाद लखनऊ बुलाकर नियुक्ति पत्र दिया। कहा कि एक सप्ताह के बाद सभी मूल दस्तावेज के साथ विधान परिषद प्रमुख सचिवालय में उपस्थित होकर कार्यभार ग्रहण कर लेंगे। नियुक्ति पत्र लेकर जब लखनऊ सचिवालय पहुंचे तो पता चला कि वह फर्जी है। जब जालसाजों से संपर्क किया गया तो उन्होंने कहा कि परेशान मत होइए, जल्द किसी अन्य विभाग में नौकरी दिलवा देंगे। अब रुपया मांगने पर गाली गलौज और धमकी दे रहे हैं।

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैंने अपना नाम इनामुल्लाह चौधरी पुत्र गरीबुल्लाह से बदल कर इनामुल्लाह पुत्र गरीबुल्लाह कर लिया है, और मेरी सही जन्मतिथि **01.01.1963** है। अब मुझे इसी नाम एवं इसी जन्मतिथि से जाना व पहचाना जाए। इनामुल्लाह पुत्र गरीबुल्लाह, निवासी– फतेहपुर पोस्ट– बनकेगांव, थाना कोतवाली बांसी, जिला सिद्धार्थनगर।

इश्तहार

अन्तर्गत आदेश 1 नियम 8 (2) ज0दी0 न्यायालय– श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) जिला– सिद्धार्थनगर प्रकीर्णवाद सं0 48/2025

श्रीमती भाग्यवती आदि

बनाम

कलाम

1. श्रीमती भाग्यवती पत्नी स्व. अहावीर पुत्री महावीर वार्ड नं0–2 मोहल्ला धर्मशाला वर्तमान मोहल्ला रघुनाथनगर वार्ड नबंर 11 नगर पंचायत शोहरतगढ़ तप्पा बरहो परगना नौगढ़ तहसील शोहरतगढ़ जिला–सिद्धार्थनगर वो अन्य ने

तारीख पेशी–30–04–2025

सार्वजनिक सम्पत्ति नक्शा नजरी दावा ए.बी.सी.डी. एवं सार्वजनिक नल के बावत हितबद्ध सभी व्यक्तियों के फायदे हेतु प्रतिनिधित्व क्षमता में वाद प्रस्तुत किया है तथा वाद के प्रस्तुत करने के साथ साथ आदेश 1 नियम 8 सीपीसी के अन्तर्गत प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया था जिसे न्यायालय द्वारा दिनांक 07.04.2025 को सुनवाई उपरान्त अनुज्ञा दे दिया गया है। और आवेदक/आवेदकगण को प्रतिनिधित्व क्षमाता में वाद प्रस्तुत करने की अनुज्ञा दी जा चुकी है। अतः यह उदघोषणा निकाली जा रही है कि उक्त वाद ग्रस्त सम्पत्ति के सन्दर्भ में जो हितबद्ध व्यक्ति पक्षकार मुकदमा बनना चाहते हो वे न्यायालय द्वारा निर्धारित तिथि 30.04.2025 को 10:00 बजे पूर्वान्ह न्यायालय में उपस्थित होकर पक्ष बनने हेतु कार्यवाही कर सकते है। किसी हितबद्ध व्यक्ति के उपसंचार न होने पर उक्त वाद में नियमानुसार अग्रेतर कार्यवाही जारी रहेगी।

आज सन 2025 के माह 04 के दिवस 19 को दिनांकित

द0 हाकिम

इश्तहार

अन्तर्गत आदेश 1 नियम 8 (2) ज0दी0 न्यायालय– श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) जिला– सिद्धार्थनगर प्रकीर्णवाद सं0 37/2025

श्री काली माता मंदिर आदि

बनाम

मसीबुलहसन आदि

1. मयंक पुत्र नीबर ग्राम गनेशपुर तहसील खजहनी परगना नौगढ़ तहसील शोहरतगढ़ जनपद सिद्धार्थनगर वो अन्य ने

तारीख पेशी 12–09–2022

लोकहित वाद/सार्वजनिक रास्ता काली माता मंदिर तक रास्ता गनेशपुर तप्पा खजहनी परगना नौगढ़ तहसील शोहरतगढ़ जनपद सिद्धार्थनगर/रास्ता के बावत गाटा सं0–432 सार्वजनिक रास्ता काली माता मंदिर तक के बावत हितबद्ध सभी व्यक्तियों के फायदे हेतु प्रतिनिधित्व क्षमता में वाद प्रस्तुत किया है तथा वाद के प्रस्तुत करने के साथ साथ आदेश 1 नियम 8 सीपीसी के अन्तर्गत प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया था जिसे न्यायालय द्वारा दिनांक 15.04.25 को सुनवाई उपरान्त अनुज्ञा दे दिया गया है। और आवेदक/आवेदकगण को प्रतिनिधित्व क्षमाता में वाद प्रस्तुत करने की अनुज्ञा दी जा चुकी है। अतः यह उदघोषणा निकाली जा रही है कि उक्त वाद ग्रस्त सम्पत्ति के सन्दर्भ में जो हितबद्ध व्यक्ति पक्षकार मुकदमा बनना चाहते हो वे न्यायालय द्वारा निर्धारित तिथि 23.05.2025 को 10:00 बजे पूर्वान्ह न्यायालय में उपस्थित होकर पक्ष बनने हेतु कार्यवाही कर सकते है। किसी हितबद्ध व्यक्ति के उपसंचार न होने पर उक्त वाद में नियमानुसार अग्रेतर कार्यवाही जारी रहेगी।

आज सन 2025 के माह 04 के दिवस 16 को दिनांकित

द0 हाकिम

दैनिक भारतीय बस्ती

संस्थापक सम्पादक स्व. दिनेश चन्द्र पाण्डेय

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

प्रबन्ध सम्पादक–**दिनेश सिंह**

संयुक्त सम्पादक–**प्रदीप चन्द्र पाण्डेय**

अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय– चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद

लखनऊ कार्यालय– आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।

गोरखपुर कार्यालय– इलाहीबाग गोरखपुर।

मो09450567450 9336715406,

ई.मेल**bhartiyabasti@yahoo.com**

bhartiyabasti@gmail.com